राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 21 मई 2023 वर्ष–6,अंक–116 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक में सिद्धारमैया ने दूसरी बार सीएम की शपथ ली, डीके समेत 8 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

बेंगलुरु। कर्नाटक में सिद्धारमैया ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 12.30 बजे उन्हें पद की शपथ दिलाई। उनके साथ डिप्टी सीएम के तौर पर डीके शिवकुमार और 8 विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे।

सबसे पहले डीके शिवकुमार ने शपथ ली। वे इकलौते डिप्टी सीएम बनेंगे। डॉ जी परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज और एमबी पाटिल ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। सतीश जारकीहोली, प्रियांक खड़गे (मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे), रामालिंगा रेड्डी और जमीर अहमद खान भी मंत्री बनेंगे।

मंच पर विपक्षी एकता दिखी, विपक्ष के 10 से ज्यादा नेता पहुंचे

सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण में नौ विपक्षी पार्टियों के नेता भी मौजूद हैं। इनमें महबूबा मुफ्ती (पीडीपी), नीतीश कुमार (जेडीयू), तेजस्वी यादव (आरेजेडी), डी राजा और सीताराम येचुरी (लेफ्ट), एमके स्टालिन (डीएमके), शरद पवार (एनसीपी), फारूख अब्दुल्ला (नेशनल कांग्रेस), कमल हासन (मक्कल नीधि माईम) शामिल हैं।

इनके अलावा, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कमलनाथ और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के ष्टरूभूपेश बघेल भी मौजूद रहे।

कर्नाटक कांग्रेस ने शपथ समारोह के लिए जिन नेताओं को न्योता नहीं दिया है उनमें भाजपा, अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी, ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री YS जगनमोहन रेड्डी की पार्टी, केरल के C रूपी विजयन शामिल हैं।

राहुल-प्रियंका समेत राजस्थान-छत्तीसगढ़ के सीएम मौजूद

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका

गांधी और राहुल गांधी और बेंगलुरु पहुंच गए हैं। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ने एयरपोर्ट पर दोनों को रिसीव किया। उनके अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री कमलनाथ भी बेंगलुरु पहुंचे हैं।

पांच दिन की मान-मनौव्वल के बाद माने थे डीके

पिछले शनिवार को हुई मतगणना में कर्नाटक की 224 सीटों में से कांग्रेस को 135, भाजपा को 66, जनता दल एस को 19 और अन्य को 4 सीट मिली थीं। बहुमत मिलने के बाद कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार के समर्थक उनको मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। लेकिन, कांग्रेस की पसंद सिद्धारमैया थे।

पांच दिन की मान-मनौव्वल और सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद कर्नाटक सीएम पद के लिए अड़े डीके शिवकुमार आखिरकार मान गए। तय हुआ कि सिद्धारमैया कर्नाटक के सीएम और डीके शिवकुमार डिप्टी सीएम होंगे। गुरुवार रात बेंगलुरु में हुई विधायक दल की बैठक में सिद्धारमैया को विधायक दल का नेता भी चुन लिया गया।

लोकसभा चुनाव के बाद डीके सीएम बनेंगे

शिवकुमार 50-50 फॉर्मूले पर राजी हुए हैं। पहले ढाई साल सिद्धारमैया सीएम रहेंगे और बाद के ढाई साल डीके। यानी डीके लोकसभा चुनाव के बाद 2025 में मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि तब कर्नाटक का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा, इसका नाम अभी तय नहीं है।

पहले मानने को तैयार नहीं थे डीके

बुधवार को पहले इस तरह की खबरें आई थीं कि डीके डिप्टी सीएम पद, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद और दो मिनिस्ट्री लेकर मान गए हैं। आलाकमान सिद्धारमैया को ष्टरू बनाना चाहता है और उन्होंने डीके के सामने तीन फॉर्मूले रखे थे। फिर खबर आई है कि वो किसी पर भी सहमत नहीं हुए। खड़गे से डीके ने साफ कह दिया कि बनाना है तो सीएम बनाओ, डिप्टी सीएम नहीं बनूंगा। सुबह से ही दिल्ली में लिखी जा रही कर्नाटक सरकार की स्क्रिप्ट घंटे दर घंटे बदलती रही। डीके ने हाईकमान से कहा- लोकसभा की 20 से 22 सीटें वे जितवा सकते हैं। खड़गे और राहुल गांधी के साथ सुबह डीके-सिद्धा की मीटिंग हुई थी, लेकिन एकराय नहीं बन सकी। बेंगलुरु में चल रही शपथ ग्रहण की तैयारियां रोक दी गईं। इससे पहले डीके ने कहा था कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो उनकी लीडरशिप में काम करने को तैयार हैं।

गुरुग्राम में जल्द शुरू होगा रैपिड रेल का काम

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में आने वाले दिनों में मेट्रो, सड़क मार्ग और रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर की बेहतर कनेक्टिविटी देखने को मिलेगी। द्वारका एक्सप्रेसवे और ग्लोबल सिटी के पास मेट्रो और रैपिड रेल की सुविधा भी होगी। इसके लिए योजनाएं तैयार कर ली गई हैं। जल्द ही जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया जाएगा। शाहजहांपुर-निमराना-बहरोड़ (एसएनबी) रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना को हरियाणा सरकार ने मंजूरी दे दी है। एसएनबी रूट पर 16 स्टेशन होंगे। द्वारका एक्सप्रेसवे से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए दिल्ली-जयपुर हाईवे पर क्लोवर लीफ के पास रैपिड रेल का स्टेशन भी बनेगा। लोग साउदर्न पेरिफेरल रोड और सेंट्रल पेरिफेरल रोड(सीपीआर) की तरफ आसानी से जा सकेंगे। सीपीआर की तरफ द्वारका एक्सप्रेसवे और ग्लोबल सिटी की तरफ जा सकेंगे। यहां पर 25 एकड़ जमीन में हेलीपेड भी बनेगा।

14 इंटरसेक्शन भी बनाए गए-द्वारका एक्सप्रेसवे के निर्माण में बेहतर कनेक्टिविटी पर काफी ध्यान दिया गया है। एक्सप्रेसवे के चारों पैकेज में 14 इंटरसेक्शन बनाए गए हैं, जिससे लोग आसानी से बिना रुके अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। गुरुग्राम से राहगीर एक्सप्रेसवे पर सफर कर सोनीपत तक का बिना रुके सफर तय कर सकेंगे। एसएनबी परियोजना में सबसे ज्यादा सात स्टेशन गुरुग्राम में प्रस्तावित हैं। दिल्ली के सराय काले खां से परियोजना रूट शुरू होगा और यहीं पर पहला स्टेशन भी बनेगा। वहां से दिल्ली के मुनिरका से होते हुए रैपिड रेल गुरुग्राम के उद्योग विहार फेज-चार के पास रूट का पांचवा स्टेशन प्रस्तावित है। उसके बाद गुरुग्राम में दूसरा स्टेशन सेक्टर-17/14 के पास बनेगा। उसके बाद राजीव चौक और फिर वहां से खेड़की दौला फ्लाईओवर के पास द्वारका एक्सप्रेसवे की क्लोवरलीफ के पास स्टेशन बनेगा।

मौसम विभाग ने दी दिल्लीवालों को कूल-कूल करने वाली खबर

2 दिन बाद फिर बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को गर्मी और प्रदूषण से काफी हद तक राहत रही। दिल्ली में दो दिन बाद एक बार फिर बूंदाबांदी होने के आसार बनते दिख रहे हैं। बीते दिनों जहां दिल्ली का तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया था तो वहीं शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2 डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को मुख्य रूप से आसमान साफ रहने का अनुमान जताया गया है और अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और शनिवार को इससे अधिक तापमान रहने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और आर्द्रता का स्तर 78 प्रतिशत से 25 प्रतिशत के बीच रहा। वहीं, दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार को 152 रहा, जो मध्यम श्रेणी में आता है। गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

नोएडा में कई बाजारों के व्यापारी आज से नहीं लेंगे 2000 का नोट

नोएडा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 2000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा किए जाने के बाद से गौतमबुद्ध नगर में भी हलचल तेज हो गई है। हालांकि, आम लोगों में पैनिक जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि इससे कारोबार प्रभावित होगा। उधर, लीड बैंक मैनेजर एलडीएम विदुर भल्ला ने कहा कि नोट बदलने के लिए चार महीने से अधिक का समय दिया है। परेशान होने की जरूरत नहीं है।

कारोबार प्रभावित होने की चिंता

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने प्रधानमंत्री और रिजर्व बैंक से यह फैसला वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग हमेशा सरकार का साथ देते हैं, लेकिन ऐसे निर्णय से हमें परेशान किया जा रहा है। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर व्यापारी वर्ग पर पड़ेगा। व्यापार मंडल के

महासचिव और सेक्टर-51 होशियारपुर बाजार के व्यापारी प्रवीण गर्ग ने कहा कि व्यापारी नोटबंदी और कोरोना काल को नहीं भूल सके और अब यह फैसला लिया गया। इससे फिर कारोबार चौपट होने जैसी स्थिति बन जाएगी। सभी बड़े देशों में बड़ी करेंसी चलती है। इसका मतलब यह तो नहीं है कि वहां ज्यादा भ्रष्टाचार होता है।

वहीं, व्यापारी नेता आरके गर्ग ने कहा कि बैंकों में रुपये जमा करने में आने वाली परेशानियों से बचने के लिए सेक्टर-27 अट्टा मार्केट समेत शहर के कुछ बाजारों के व्यापारियों ने ग्राहकों से दो हजार रुपये का नोट नहीं लेने का निर्णय लिया है। ऐसे में कारोबार प्रभावित होगा।

आम लोग ज्यादा परेशान नहीं

आम लोग इस फैसले को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं दिखे। उनका कहना है कि उन्हें पहले से ही इसका अंदेशा था। काफी समय से बैंकों और एटीएम में दो हजार के नोट नहीं मिल रहे थे, ऐसे में उनके पास भी इक्का-दुक्का नोट ही हैं। फोनरवा महासचिव केके जैन ने कहा कि काफी समय से दो हजार का नोट नहीं मिला है। आरबीआई के निर्देश के बाद घर में पत्नी और अन्य परिजनों से भी बातें हुई, पर किसी के पास भी एक-दो नोट से ज्यादा नहीं हैं। वहीं, सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि बाजार में दो हजार का नोट नजर नहीं आ रहा।

बीएसएफ ने दो पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराए

ढाई किलो से अधिक हेरोइन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करते हुए पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया।

बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात को लगभग नौ बजे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अमृतसर के गाँव उधर धारीवाल के पास के क्षेत्र में एक संदिग्ध ड्रोन की भनभनाहट सुनाई दी। उन्होने बताया कि निर्धारित ड्रिल के अनुसार, सैनिकों ने गोलीबारी करके ड्रोन को रोकने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी। क्षेत्र की शुरुआती तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने गांव - उधर धारीवाल के खेतों से

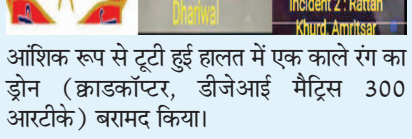

आंशिक रूप से टूटी हुई हालत में एक काले रंग का ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके) बरामद किया।

SC/ST एक्ट में अभद्र भाषा कह देना मुकदमे के लिए काफी नहीं, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अभद्र या अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल हुआ, यह एससी/एसटी अधिनियम के तहत किसी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पर्याप्त नहीं है। एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(×) के दंडात्मक प्रावधान को लागू करने के लिए यह साबित करना होगा कि इस तरह की टिप्पणी जानबूझकर सार्वजनिक स्थान पर की गई है या नहीं? चार्जशीट या एफआईआर की कॉपी में भी इस तरह की बातों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है।

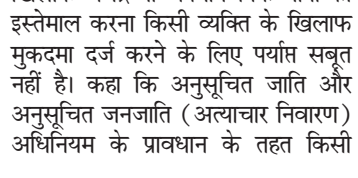

सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि एससी और एसटी व्यक्ति के खिलाफ अभद्र या अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना किसी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं है। कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधान के तहत किसी व्यक्ति पर मुकदमा चलाने से पहले सार्वजनिक दृश्य के भीतर किसी अभियुक्त द्वारा की गई बातों को कम से कम चार्जशीट में उल्लिखित किया जाए, इससे अदालत यह पता लगाने में सक्षम होंगी कि अपराध का संज्ञान लेने से पहले आरोप पत्र एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला बनता है या नहीं? दरअसल, देश की शीर्ष अदालत एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी जिसमें एक व्यक्ति को कथित अपराधों के लिए चार्जशीट किया गया था, जिसमें अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम की धारा 3(1)(×) शामिल है, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति सदस्य को जानबूझकर सार्वजनिक दृश्य के भीतर अपमान करने के इरादे से डराने-धमकाने से संबंधित है। अदालत ने मामले की सुनवाई में व्यक्ति के खिलाफ दर्ज मामले को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मामले में न प्राथमिकी और न ही आरोप पत्र में मौखिक विवाद के दौरान अभियुक्तों के बयानों या शिकायतकर्ता की जाति का कोई संदर्भ नहीं था। अदालत ने यह भी नोट किया कि कथित अपमानजनक बयान शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी और उसके बेटे की उपस्थिति में दिए गए थे और कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था, इसलिए इसे सार्वजनिक रूप से नहीं कहा जा सकता क्योंकि अन्य कोई भी सदस्य वहां मौजूद नहीं था। जस्टिस एस आर भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए मंशा स्पष्ट प्रतीत होना जरूरी है।

कश्मीर जी-20 में शामिल होने से चीन का इनकार, कहा- विवादित जगह पर बैठक नहीं करेंगे

श्रीनगर। श्रीनगर में 22 से 24 मई तक जी-20 की बैठक होनी है। चीन ने शनिवार को इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। पहले बीजिंग के हिस्सा नहीं लेने की खबरें आ रही थीं। अब वहां के विदेश मंत्रालय ने ऑफिशल बयान जारी कर मीटिंग का बॉयकाट की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वैनबिन ने कहा, चीन विवादित क्षेत्र पर किसी भी प्रकार की जी-20 बैठक का पूरी तरह से विरोध करता है।

भारत ने कहा- हम पूरी तरह से स्वतंत्र

चीन के इस बयान पर भारत ने आपत्ति जताई है। भारत ने पड़ोसी देश को जवाब देते हुए कहा, वह अपने क्षेत्र में बैठकें आयोजित करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। इससे पहले मार्च में जब अरुणाचल प्रदेश में जी-20 मीटिंग आयोजित की गई थी। तब भी चीन ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया था तब पाकिस्तान ने चीन के इस बॉयकाट का समर्थन किया था।

एक महीने पहले चीन-पाक ने उठाया था कश्मीर मुद्दा

कश्मीर में जी-20 बैठक के विरोध में चीन और पाकिस्तान हर बार साथ खड़े नजर आए। इस महीने की शुरुआत में, चीन और पाकिस्तान दोनों ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए लंबे समय से चल रहे कश्मीर विवाद

मुद्दे को उठाया था।

पाकिस्तान के बचाव में उतरते हुए चीन ने कहा था, भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद काफी समय से अटका हुआ है और किसी भी एकतरफा कार्रवाई से बचते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए।

तुर्की और सऊदी अरब ने भी नहीं कराया रजिस्ट्रेशन

एक तरफ जहां चीन और पाकिस्तान इस बैठक से दूरी बना रहे। वहीं कुछ देश और हैं जिन्होंने मीटिंग में शामिल होने की रजामंदी नहीं दी। मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि चीन के अलावा तुर्की और सऊदी अरब ने भी श्रीनगर में जी20 टूरिज्म ग्रुप की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। हालांकि रजिस्ट्रेशन की आखिरी डेट 22 मई है।

धारा 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बड़ी बैठक

तुर्की और सऊदी अरब दोनों OIC के सदस्य हैं। ये देश पाकिस्तान की तरह जम्मू-कश्मीर में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। हालांकि, तीन ज20 सदस्य देशों की अनुपस्थिति को जी 20 बैठक की मेजबानी करने के भारत के निर्णय के संदर्भ में तीन देशों द्वारा एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि अगस्त 2019 में धारा 370 हटाने के बाद से जम्मू और कश्मीर में पहला बड़ा इंटरनेशनल प्रोग्राम है।

100 डेलीगेट्स के हिस्सा लेने की उम्मीद

श्रीनगर में जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक में लगभग 100 डेलीगेट्स के भाग लेने की उम्मीद है। इससे पहले 24 मई को जी20 प्रतिनिधियों की बैठक स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में होने वाली थी। बाद में इसे बदल दिया गया। एक सीनियर ऑफिसर के मुताबिक, वेन्यू में बदलाव सिक्योरिटी नहीं बल्कि कुछ अन्य कारणों के चलते किया गया था।

संपादकीय

टैक्स और राहत

अगर आप क्रेडिट या डेबिट कार्ड से विदेश पैसे भेज रहे हैं या विदेश में कहीं खर्च करने जा रहे हैं, तो आपको सजग हो जाना चाहिए। अभी उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत कोई व्यक्ति तय सीमा में पैसे विदेश भेज सकता है या खर्च कर सकता है, अब बदलाव यह हुआ है कि इंटरनेशनल क्रेडिट या डेबिट कार्ड से किए जाने वाले बड़े खर्च को इस योजना के तहत कर दिया गया है। सरकार ने पहले जो फैसला लिया था, उसके अनुसार, कार्ड से विदेश पैसे भेजने या खर्च करने वालों को 20 प्रतिशत तक कर या टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स) चुकाना पड़ता, लेकिन विरोध व अनुरोध के बाद सरकार ने सात लाख रुपये तक टैक्स मुक्त खर्च की मंजूरी दे दी है। इससे सात लाख तक खर्च करने वालों को राहत का एहसास होगा, लेकिन इससे ज्यादा खर्च करने वालों को टैक्स चुकाना पड़ेगा। वैसे तो रिटर्न दाखिल करने पर यह पैसा वापस मिल जाएगा, पर बहुत सारे लोग देश में ऐसे हैं, जो विदेश में करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, पर देश में न आयकर देते हैं और न रिटर्न फाइल करते हैं। ऐसे लोग क्रेडिट कार्ड के जरिये खर्च का लाभ उठा रहे हैं। निशाने पर शायद यही लोग हैं और सरकार इनसे 20 प्रतिशत टैक्स वसूल कर राजस्व जुटाना चाहती है। सरकार को लगता है कि नई टैक्स वसूली से केवल बेहद अमीर लोगों पर ही असर पड़ेगा, पर यह पूरा सच नहीं है। बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो अपने बच्चों के लिए विदेश धन भेजते हैं। ऐसे लोग भी हैं, जो कड़ी मेहनत करके राशि बचाते हैं, ताकि कभी विदेश सफर पर जा सकें। नए टैक्स से ऐसे तमाम लोगों को अब सोचना पड़ेगा। क्या इस मानवीय पहलू पर सरकार ने पूरी तरह से विचार किया है? सरकार अपने नजरिये से तो टैक्स की छीजत रोकने के लिए प्रयासरत है, लेकिन क्या इस टैक्स के तमाम तकनीकी पहलुओं पर तार्किक ढंग से विचार कर लिया गया है? क्या इससे सरकार का राजस्व वाकई बढ़ जाएगा? क्या इससे बढ़ती टैक्स चोरी या हवाला जैसे स्याह कारोबार को बल नहीं मिलेगा? विदेश धन भेजने की योजना एलआरएस सुधारवादी है, जिसके तहत भारतीयों को एक तय सीमा तक विदेश में खर्च या निवेश करने की अनुमति पिछली सरकार के समय ही दी गई थी। प्रवासी भारतीयों या भारतवंशियों के लिए यह योजना हर तरह से अनुकूल है। हालांकि, अब न केवल कागजी कार्रवाई बढ़ने वाली है, बल्कि विदेश आने-जाने वालों की भी परेशानी बढ़ने वाली है। किसी चीज या लेन-देने की निगरानी का सही तरीका यह नहीं कि उस पर नया कर लगा दिया जाए। गौर करने की बात है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल विगत वर्षों में आम लोगों के बीच भी बहुत बढ़ गया है। नीति के तहत ही क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया है और अब उसी पर लगाम की कोशिश विरोधाभास है। इससे कैशलेस लेन-देन को भी नुकसान पहुंचेगा। साल 2014 में भी भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वह कर आतंकवाद को खत्म करेगी। पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने भी यही दोहराया था। बेशक, यह ताजा कदम समग्र पुनर्विचार की मांग करता है और कर छीजत रोकने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को कर के दायरे में लाने के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। साथ ही, यह हर भारतीय नागरिक का मूलभूत कर्तव्य होना चाहिए कि वह ईमानदारी से अपने हिस्से का कर अदा करे, ताकि सरकार को कर वसूली के प्रतिकूल उपाय न करने पड़ें।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

एक बार फिर नोटबन्दी,फेल हो गए दो हजार रुपए के नोट!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

सन 2016 का इतिहास फिर दोहराया गया है।पहले एक हजार व पांच सौ के पुराने नोट बंद किए गए थे और अब दो हजार रुपए के नोट की बलि ले ली गई।इसी कारण अब दो हजार के नोटों को वापस लिए जाने को लेकर सवाल उठ रहा है कि आखिरऐसा क्यों किया गया? क्या नोट पर अंकित मैं धारक को नोट पर अंकित धनराशि अदा करने का वचन देता हूं।प्रत्येक नोट पर छपे भारतीय रिजर्व बैंक के इस वचन की कोई अहमियत नही रह गई है?या फिर दो हजार रुपए का नोट देश के लिए खतरा बन गया था?जो उसे चलन से हटाना जरूरी हो गया था,यह तो केंद्र सरकार को स्पष्ट करना है।फिलहाल तो देश की जनता स्वयं को ठगा सा महसूस कर रही है कि आखिर सरकार चाहती क्या है?क्यो भारतीय मुद्रा की विश्वसनीयता को खतरे में डाला जा रहा है।सन 2016 की नोटबन्दी के कोई सार्थक परिणाम नही आए, उल्टे देश की जनता को उसके कारण कितनी फजीहत झेलनी पड़ी थी यह किसी से छिपा नही है। अब फिर रिजर्व बैंक ने दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने का एलान कर दिया है। हालांकि, 30 सितंबर 2023 तक ये नोट वैध रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से दो हजार रुपये के नोट जारी करना बंद कर दें। रिजर्व बैंक ने कहा है कि 30 सितंबर 2023 तक ये नोट सर्कुलेशन बने रहेंगे। यानी जिनके पास इस समय दो हजार रुपये के नोट् हैं, उन्हें बैंक में जाकर इन्हें बदलवाना होगा।अर्थात बैंकों की लाइन में खड़े होने का समय फिर लौट आया है। रिजर्व बैंक के अनुसार,उन्होंने सन 2018-19 में ही दो हजार रुपये का नोट को छापना बंद कर दिया था। सन 2016 के नवंबर माह में नोटबंदी के बाद 2000 हजार रुपये का नोट लाया गया था। नोटबंदी में 500 और 1000 रुपये के नोट को बंद कर दिया गया था। जब सन 2016 में रिजर्व बैंक ने हजार और पांच सौ के नोटों को बैन करके दो हजार रुपये के नोट जारी किए थे, तभी ये तय था कि इसे ज्यादा समय तक चलन में नही रखा जाएगा। जब एक हजार और पांच सौ के नोटों को बैन करके दो हजार रुपये के नोट जारी किए थे, तभी यह तय हो गया था कि इसे ज्यादा समय तक नहीं चलन में रखा जाएगा। केंद्र सरकार ने अपनी रणनीति के तहत काम किया और आज नोटबंदी को पूरी तरह से अंजाम दिया जा रहा है। सरकार की सोच है कि लोग अब कालाधन रखने के लिए दो हजार रुपये के नोटों का प्रयोग करने लगे थे। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी इस मुद्दे को संसद में उठा चुके हैं। तभी तो सन 2019-20 से ही रिजर्व बैंक ने दो हजार के नोटों को छापना बंद कर दिया था। आम लोगों के पास अब बहुत कम दो हजार के नोट बचे है,ऐसा माना जा रहा है, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हो सकते है, जिन्होंने दो हजार के नोटों का इस्तेमाल काली कमाई रखने और कालाधन रखने में करना शुरू कर दिया हो। अब जब रिजर्व बैंक ने इन नोटों को वापस लेने का एलान कर दिया है तो साफ है कि एक बार फिर से बड़े पैमाने पर कालाधन को बाहर लाने की चर्चा सरकार के स्तर पर दावों के साथ शुरू हो गई है। जो लोग दो हजार के नोट बैंक में बदलने जाएंगे, उन पर सरकार की नजर रहेगी। अगर अधिक मात्रा में किसी के पास दो हजार के नोट होंगे तो वह सीधे ईडी व आरबीआई के निशाने पर आ जाएगा। सन2016 में जब 500 और 1000 के नोट बंद हुए थे तो सरकार ने इसकी सफलता के बड़े बड़े दावे किए थे,लेकिन कालाधन फिर भी कही पकड़ा नही गया था।सत्ता पक्ष की सोच है कि दो हजार के नोटों का इस्तेमाल जमाखोरी में होने लगा था। कुछ का मानना है कि दो हजार रुपए के नकली नोटों की छपाई भी तेजी से होने लगी थी। ऐसा इसलिए क्योंकि ये आसानी से बाजार में चलाया जा सकता था। इसकी सप्लाई में ज्यादा दिक्कत नहीं होती थी। अब चूंकि इस पर बैन लग रहा है तो साफ है कि दो हजार के जितने भी नकली नोट बाजार में होंगे वो भी अस्तित्व में नही रह जाएंगे। दो हजार रुपये के नोट को आरबीआई एक्ट 1934 के सेक्शन 24 (1) के तहत लाया गया था। पुराने 500 और 1000 रुपये को नोटों के बंद होने के बाद करेंसी रिक्रायरमेंट के चलते इन नोटो को लाया गया था। दो हजार रुपये को लाने का उद्देश्य दूसरे नोट पर्याप्त मात्रा में बाजार में आने के बाद कम पड़ रहा था। लेकिन उसके बाद 2,000 रुपये के बैंकनोट्स की प्रिंटिंग 2018-19 में बंद कर दी गई थीं।आरबीआई का सुझाव है कि लोग 2 हजार रुपये के नोट अपने बैंक अकाउंट में जमा करा सकते हैं। या फिर वे बैंक में जाकर इन नोटों को बदलवा भी सकते हैं। इन्हें बिना किसी प्रतिबंध के सामान्य तरीके से ही बैंकों में जमा कराया जा सकता है।2,000 रुपये के नोटों को 23 मई, 2023 से बैंकों में जाकर आप बदलवा सकते हैं। परिचालन सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आरबीआई ने कहा है कि एक बार में 20,000 रुपये ही जमा कराए या बदले जा सकते हैं।देश में 2000 के नोट का सबसे ज्यादा चलन में सन 2017-18 के दौरान रहा ,इस दौरान बाजार में 2000 के 33,630 लाख नोट चलन में थे। इनका कुल मूल्य 6.72 लाख करोड़ रुपये था। पिछले दो साल से 2000 रुपये के एक भी नोट की छपाई नहीं हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि एटीएम में 2000 रुपये के नोट भरने या न भरने के लिए बैंकों को कोई निर्देश नहीं दिया गया ।बैंक कैश वेंडिंग मशीनों को लोड करने के लिए अपनी पसंद खुद चुनते हैं। वे स्वयं आवश्यकता का आकलन करते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2019-20 के बाद से 2000 रुपये के नोट की छपाई नहीं हुई है।इस नोटबन्दी पर राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर दो हजार के नोट को बंद करने का निर्णय लिया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर देश में नोटबंदी भी हुई थी।उन्होंने कुछ पूंजीपति मित्रों को खुश करने के लिए इसकी घोषणा की थी। उन्होंने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी को आर्थिक रुप से संपन्न करने के लिए घोषणा की गई ताकि देशभर में पार्टी के कार्यालयों के लिए जमीन खरीद सके और बीजेपी सशक्त हो सके।शक्ति सिंह यादव ने यह भी कहा कि नोटबंदी देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक साबित हुई थी। प्रधानमंत्री के निर्णय से देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई। निर्णय आनन-फानन में लिया गया। देश में ऊहापोह की स्थिति थी। प्रधानमंत्री को इन सभी बिंदुओं पर देश की जनता के सामने तथ्यात्मक बातों को रखना चाहिए नहीं तो देश की जनता के सामने प्रधानमंत्री माफी मांगे व कहे कि नोटबंदी का फैसला गलत था।उक्त मुद्दे पर अभी सत्ता पक्ष व विपक्ष के साथ साथ आमजन की प्रतिक्रिया भी चर्चा का विषय बनेगी।फिलहाल इतना तय है कि दो हजार रुपए के नोट इतिहास बनने जा रहे है।जिसे लेकर देश की जनता एक बार फिर हतप्रभ है।

प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

मानवीय स्वार्थ और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के परिणाम स्वरूप पर्यावरण और प्रकृति को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपायी होना मुश्किल है। मौसम में आ रहे अप्रत्याशित बदलाव के चलते मनुष्य को अब उसके चंगुल से निकलना मुश्किल हो रहा है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई है। बदलते मौसम की मार से प्रकृति के साथ-साथ हमारा रहन-सहन, भोजन, स्वास्थ्य और कृषि भी प्रभावित हुई है। कृषि उत्पादन में आ रही कमी, सूखा और भूमि के बंजर होने की गति में हो रही बढ़ोतरी इसका सबूत है। वैज्ञानिक शोध और अध्ययनों ने इस तथ्य को प्रमाणित भी कर दिया है। मौसमी बदलाव का असर खेतों में खड़ी फसलों के बर्बाद होने के रूप में सामने आ रहा है। तापमान के असंतुलन के चलते मनुष्य संक्रमण की चपेट में है। नतीजतन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। बाढ़, चक्रवाती तूफान आदि आपदाओं में बढ़ोतरी उसी का नतीजा है। तापमान में बढ़ोतरी के कारण ग्लेशियर पर पर्याप्त मात्रा में बर्फ नहीं जम पाती। नतीजतन जल संकट गहरा जाता है क्योंकि जल सुरक्षा के लिहाज से ग्लेशियरों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। जाहिर-सी बात है कि इन्हीं ग्लेशियरों की बदौलत ही गंगा, यमुना, सिंधु जैसी हिमालयी नदियों के साथ-साथ हजारों झरनों और छोटी नदियों को भरपूर मात्रा में पानी मिल पाता है, जिससे बहुत बड़ी तादाद में सिंचाई सुविधा और पीने के पानी की जरूरतें पूरी होती हैं। ऑस्ट्रेलिया में कॉमनवेल्थ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च आर्गेनाइजेशन द्वारा किये शोध में यह खुलासा हुआ है कि एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया के संक्रमण से हमारी सेहत पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। बढ़ते तापमान के कारण संक्रमण बढ़ने और बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस पैदा होने के पीछे जलवायु परिवर्तन के कारण आयी बाढ़ के चलते स्वच्छता सम्बन्धी समस्याएं हैं। इससे एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें सीवेज की अहम भूमिका है जो एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट बैक्टीरिया का अहम स्रोत है। बढ़ती आबादी, बाढ़, सूखा जैसी प्राकृतिक आपदा और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सीवेज ओवर फ्लो के बढ़ते मामले इसमें प्रमुख योगदान देते हैं। इससे बैक्टीरिया में म्यूटेशन बढ़ता है। यह सब अस्वच्छता के कारण होता है। पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण और प्रदूषित कण इस एंटीबायोटिक रेजिस्टेंट जीन को बढ़ाने और बैक्टीरिया में म्यूटेशन वृद्धि में अपनी सक्रियता से दवाओं के असर कम करने में कारक बनते हैं। शोध इस बात के सबूत हैं कि मनुष्यों में संक्रामक रोगों में 58 फीसदी मामलों के तेजी से फैलने में जलवायु परिवर्तन अहम कारण है। जीव विज्ञानियों की मानें तो मौजूदा दौर में मनुष्यों को संक्रमित करने में सक्षम कम से कम 10,000 वायरस प्रजातियां जंगली स्तनधारियों में पायी जाती हैं। ऐसे में जंगलों के अंधाधुंध कटान, गर्म जलवायु, तेजी से बढ़ती आबादी के कारण मानव का ऐसे जंगली स्तनधारियों से सामना बढ़ेगा, जो जूनोटिक स्पिल ओवर यानी जंगली स्तनधारियों से मानव में वायरस का संचरण बढ़ायेगा। निपाह वायरस का इंसानों में फैलना इसका प्रमाण है। अमेरिका की प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी के जलवायु परिवर्तन विभाग के वैज्ञानिकों के शोधों से खुलासा हुआ है कि जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवात की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका है। यह भी कि समुद्र के बढ़ते जलस्तर और जलवायु परिवर्तन के कारण अगले दशकों में तटीय इलाकों में भीषण चक्रवात और तूफान की घटनाओं के बीच में समय अंतराल काफी कम हो जायेगा। बीते दशकों के इतिहास को देखें तो 70 फीसदी से अधिक मामलों में बाढ़ का प्रमुख कारण नदियां ही रही हैं। वास्तव में जमीन की तरह ही वाष्पकणों के जमने से वायुमंडल में ऊपर बादलों में जलधाराएं बन जाती हैं। इन्हें वायुमंडलीय नदी कहते हैं। इसके पीछे भी जलवायु परिवर्तन ही अहम कारण है। कारण यह कि औसत तापमान वृद्धि से वाष्प को जमने में समय काफी लग रहा है। इसके कारण बादलों में पहले की तुलना में ज्यादा वाष्प इकट्ठा होने लगे हैं। नतीजतन पहले की तुलना में वायुमंडलीय नदियों में जलधारा क्षमता काफी बढ़ गयी है। इसका नतीजा पानी का दबाव बहुत बढ़ जाने से बादल फटने और बाढ़ की घटनाओं के रूप में सामने आता है। सबसे बड़ी चिंता कृषि क्षेत्र में दिनोदिन घटती उत्पादकता की है। देश में तकरीबन 12 करोड़ हेक्टेयर जमीन ऐसी है जो किसी न किसी तरह की डिग्रेडेशन की शिकार है। तापमान में बढ़ोतरी के चलते फसल जल्दी पकती है लेकिन उत्पादन कम होता है। मौसम में बदलाव से खेती की लागत भी बढ़ रही है। जानवरों के चारे की समस्या भी तेजी से बढ़ती जा रही है। आगामी सालों में गेहूं की उत्पादकता 22 फीसदी और धान की 15 फीसदी तक कम हो सकती है। मौसम के बदलाव का यदि यही हाल रहा और खेती में आमदनी इसी तरह कम होती रही तो गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ेगा। समय की मांग है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर तत्काल लगाम लगे। वर्तमान मौसम के लिहाज से अपनी जीवनशैली को व्यवस्थित करें, जल की बर्बादी पर अंकुश के साथ-साथ वर्षा जल के संचय और संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। तभी इस समस्या के समाधान में कामयाबी की आशा की जा सकती है।

2000 के नोट चलन से बाहर होना ब्लैक मनी या विपक्षी दलों को झटका?

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने का फैसला किया है। यह नोट बाजार में सितम्बर माह तक चलते रहेंगे। स्वच्छ नोट नीति और 2000 के नोट के उपयोग में कमी का हवाला देते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 2000 के नोटों को प्रचलन से बाहर करने का निर्णय लिया है। 30 सितंबर तक 2000 के नोट बैंकों से बदले जाएंगे। 2000 के नोट से लेनदेन होता रहेगा। कारोबारी अपने खातों में 2000 के कितने भी नोट जमा कर सकेंगे। माना जा रहा है कि बैंक 2000 के नोटों का नियमित हिसाब रखेंगे। 2000 के नोटों के लेन-देन का पूरा रिकॉर्ड आयकर विभाग भी देखेगा। इससे स्पष्ट होगा कि ब्लैक मनी के रूप में जो एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की मुद्रा लोगों ने रख ली थी। वह नोट प्रचलन से वापस हो गए थे। उन नोटों को वापस रिजर्व बैंक लाया जा सके, आम आदमी एक बार में 10 नोट 2000 रूपये के बैंकों में जाकर बदल सकेगा। रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैंक खाते में बिना किसी रोक-टोक के 2000 के कितने भी नोट में जमा कराए जा सकते हैं। 2018-19 से ही 2000 के नोटों की छपाई रिजर्व बैंक ने बंद कर दी थी। 2000 रूपये के नोटों का बैंकों से निकासी लगभग बंद हो गई थी। 2018 में 2000 के 6.73 लाख करोड़ रुपए के नोट प्रचलन में थे। 31 मार्च 2023 को घटकर 3.62 लाख करोड़ रुपए के रह गए थे। रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोट प्रचलन से बंद करने का निर्णय क्यों लिया है। इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। रिजर्व बैंक के पास जाली 2000 और 500 रुपये के नोट बड़ी मात्रा में आ रहे थे। 2000 रुपये के नोटों के रूप में, ब्लैक मनी एक लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि प्रचलन के बाहर थी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली करारी पराजय के बाद गेर भाजपाई दलों को आर्थिक रुप से कमजोर करने कि इसे एक राजनीतिक निर्णय के रूप में भी देखा जा रहा है। यह माना जा रहा है कि ब्लैक मनी के रूप में सबसे ज्यादा धन राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और बड़ी संख्या में अधिकारियों के पास है। इस साल के अंत तक पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होना है। 2024 में लोकसभा चुनाव होना है। 2016 में जब नोटबंदी की गई थी। उसके तुरंत बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव थे नोटबंदी का सबसे ज्यादा लाभ भाजपा को उत्तरप्रदेश के चुनाव में मिला था। इसका असर 2019 के लोकसभा चुनाव में भी हुआ था। जब गैर भाजपाई दलों के पास खर्च करने के लिए पैसे ही नहीं थे। अभी आशंका व्यक्त की जा रही है। 2000 के नोटों को बंद करने के पीछे राजनीतिक दलों के पास जो नगदी ब्लैक मनी के रूप में थी। विपक्षी दल चुनाव को प्रभावित नहीं कर सकें। इसके लिए यह नोटबंदी की गई है। भाजपा को सबसे ज्यादा इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से चंदा प्राप्त होता है। गैर भाजपाई दलों को बहुत कम चंदा मिलता है। ऐसी स्थिति में इसका असर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पड़ना तय माना जा रहा है। 500 रुपये के नोट भी बड़ी संख्या में छापे गए हैं। पिछले दो-तीन सालों से 500 रुपये के नोट प्रचलन में लाए गए हैं। 500 रुपये के नकली नोट के रूप में बाजार में चल रहे हैं। ईडी और जांच एजेंसियों ने जो भी छापे पिछले दिनों में मारे हैं। उसमें दो हजार और 500 रुपये के नोट बड़े पैमाने पर जप्त हुए हैं। जिससे यह माना जा रहा है कि ब्लैक मनी और जाली नोट की रोकथाम के लिए रिजर्व बैंक ने यह कदम उठाया है। 2000 रुपए की नोटबंदी के बाद यह कहा जा रहा है, कि सितंबर के बाद एक बार फिर हजार रुपए के नोट प्रचलन में लाए जा सकते हैं । 500 रुपये के नोट प्रचलन से बाहर करने का सरकार निर्णय ले सकती है। सितम्बर माह के पहिले इसके स्थान पर 500 रुपये के नई सीरीज के नोट भी रिजर्व बैंक लाने पर विचार कर सकती है। बहरहाल नोट बंदी को लेकर आम जनता के बीच में इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई है।

एक बार फिर 2016 की नोट बंदी लोगों को याद आने लगी है। रिजर्व बैंक ने इस बार नोट बदलने के लिए 3 महीने से ज्यादा का समय दिया है। इसके साथ ही नोटों के लेनदेन को बंद नहीं किया है। 2000 रुपये के नोट बंद करने के निर्णय को लेकर देश भर में अटकलों का बाजार गर्म है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई से केंद्र को मिलेंगे 87,416 करोड़, पिछले साल की तुलना में तिगुनी रकम

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सरकार को 87,416 करोड़ रुपए का अधिशेष हस्तांतरित करने की मंजूरी दी है। हालांकि आरबीआई ने 6 फीसदी आकस्मिक जोखिम बफर रखने का निर्णय किया है। हस्तांतरित की जाने वाली अधिशेष राशि वित्त वर्ष 2022 की तुलना में करीब तिगुनी है, मगर वित्त वर्ष 2022 के आंकड़ों से इसकी सटीक तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि उस साल आरबीआई के लिए वित्त वर्ष नौ महीने का ही था। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल से लेखा वर्ष जुलाई-जून को बदलकर अप्रैल-मार्च कर दिया था। वित्त वर्ष 2021 में **RBI** ने सरकार को 30,307 करोड़ रुपए अधिशेष हस्तांतरित किए थे। वित्त वर्ष 2022 में आकस्मिक बफर 5.5 फीसदी था। वित्त वर्ष 2022 में आपात कोष के लिए करीब 1.15 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। वित्त वर्ष 2023 में विदेशी मुद्रा भंडार की बिक्री से ज्यादा आय होने की वजह से अधिशेष में इजाफा हुआ है। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने अपनी बैठक में वैश्विक और घरेलू आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम के प्रभाव सहित संबंधित चुनौतियों की समीक्षा की। बयान में कहा गया कि निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023 के दौरान रिजर्व बैंक के कामकाज पर भी चर्चा की और वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट तथा खातों को मंजूरी दी। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023 के लिए केंद्र सरकार को 87,416 करोड़ रुपए अधिशेष हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी जबकि आकस्मिक जोखिम बफर 6 फीसदी रखने का निर्णय किया है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि ज्यादा अधिशेष हस्तांतरण मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा भंडार बेचने की वजह से संभव हो पाया है।

बंधन बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा घटकर 808 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । बंधन बैंक का मुनाफा मार्च 2023 को समाप्त तिमाही में 58 प्रतिशत घटकर 808 करोड़ रुपए रहा। कोलकाता स्थित निजी बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 1,902 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय एक साल पहले के 4,844 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,897.38 करोड़ रुपए हो गई। बैंक के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए 10 रुपए के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 1.50 रुपए के लाभांश की सिफारिश की है। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक का मुनाफा घटकर 2,507 करोड़ रुपए रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 3,457 करोड़ रुपए था।

रूस का तेल एक्सपोर्ट रिकॉर्ड 83 लाख बैरल प्रतिदिन

नई दिल्ली । इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार रूस ने तेल निर्यात के मामले में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 8300000 बैरल प्रतिदिन रूस ने तेल एक्सपोर्ट का एक इतिहास रच दिया है।पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमले के बाद का यह सबसे ज्यादा निर्यात है। पश्चिमी देशों ने रूस के ऊपर कई आर्थिक प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके बाद भी कई देश रूप से बड़े पैमाने पर तेल खरीद रहे हैं। रूस तेल का सबसे ज्यादा निर्यात भारत और चीन मे कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार चीन की हिस्सेदारी तेल में 60 फ़ीसदी तक की हो सकती है। चीन की अर्थव्यवस्था धीमी गति से आगे बढ़ रही है। औद्योगिक उत्पादन और रिटेल खर्च के आंकड़े भी पूर्वानुमान की तुलना में काफी कम है। रूस ने तेल निर्यात के जरिए अपने ऊपर लगाए गए,आर्थिक प्रतिबंधों का मुकाबला किया जा रहा है।

31 मई तक मूंग की सरकारी खरीद के लिए पंजीयन

भोपाल । मूंग की सरकारी खरीद के लिए किसानों को पंजीयन की अंतिम तारीख 31 मई तक के लिए बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मूंग उत्पादक जिलों के किसानों की मांग पर यह निर्णय लिया गया है। पूर्व में राज्य सरकार ने 19 मई तक मूंग खरीदी के पंजीयन का निर्णय लिया था। इस तारीख को बढ़ाकर 31 मई कर दिया गया है। मध्यप्रदेश में मूंग का उत्पादन करने वाले 32 जिले हैं। जिसमें सबसे ज्यादा मूंग का उत्पादन नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, रायसेन, हरदा, सीहोर, जबलपुर,देवास, सागर और गुना में होता है। जिन किसानों ने अभी तक पोर्टल पर पंजीयन नहीं कराए हैं। वह 31 मई के पहले पंजीयन करा लें।

आवक घटने से गेहूं 130 क्विंटल महंगा

नई दिल्ली । मंडियों में गेहूं की आवक घटने के कारण,गेहूं के दामों में वृद्धि होने लगी है। कारोबारियों के अनुसार रु.130 प्रति क्विंटल तक की तेजी आ गई है। जो गेहूं बाजार में रु.2300 प्रति क्विंटल बिक रहा था। उसके दाम अब रु.2440 प्रति क्विंटल हो गए हैं। गेहूं की खरीद आटा मिलों और अन्य खरीदारों द्वारा बढ़ाए जाने और आवक कम होने से, गेहूं के दामों में तेजी देखने को मिल रही है। उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों की मंडियों में गेहूं की आवक कम होने का असर, दिल्ली की मंडी में पड़ा है। जिसके कारण दाम लगातार बढ़ रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार यह तेजी आगे भी बनी रहेगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.5 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह में बढ़कर 600 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया। 12 मई को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 3.553 अरब डॉलर बढ़कर 599.529 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह विदेशी मुद्रा भंडार का जून, 2022 के शुरुआती सप्ताह के बाद का करीब एक साल का उच्च स्तर है। इससे पिछले सप्ताह में भंडार 7.19 अरब डॉलर बढ़कर 595.97 अरब डॉलर पहुंच गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद केंद्रीय बैंक के रुपए में गिरावट थामने के लिए मुद्रा भंडार के उपयोग से इसमें गिरावट आई। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 12 मई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.577 अरब डॉलर बढ़कर 529.598 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.353 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 18.413 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का मुद्रा भंडार 2.8 करोड़ डॉलर घटकर 5.16 अरब डॉलर रह गया।

एयरलाइंस कंपनियां किराया बढ़ाते समय कीमतों में संतुलन बनाए रखेः केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एयरलाइन कंपनियों को हवाई टिकटों के दाम निर्धारित करते समय संयम बरतने और अधिकतम और न्यूनतम कीमतों में संतुलन बनाए रखने को कहा है। सरकार की सलाह ऐसे समय में आई है जब बजट एयरलाइन गो फर्स्ट की उड़ानें बंद होने के बाद कुछ रूट्स पर टिकटों के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं। हालांकि, सरकार ने साफ किया है कि हवाई टिकटों की कीमत को नियंत्रित करने का उसका कोई इरादा नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एयरलाइनों को टिकटों की कीमत तय करते वक्त संयम बरतने और किसी प्रकार का संतुलन बनाए रखने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि ऐसी स्थिति नहीं हो सकती है जहां सबसे कम और उच्चतम किराए के बीच एक बड़ा अंतर हो। नकदी की तंगी के बाद गोफर्स्ट ने 3 मई से फ्लाइट बंद कर दी थी जिन रूटों पर गोफर्स्ट संचालित हो रहा था, उनके हवाई किराए में भारी उछाल आया है। इन मार्गों में दिल्ली-श्रीनगर और दिल्ली-पुणे भी शामिल हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) शेयर बाजारों में लगातार तीन दिन गिरावट रही

मुंबई ।
वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीन दिन मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को गिरावट रही। सप्ताह के ओ खिरी दिन वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और विदेशी पूंजी की आवक बने रहने के बीच दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त हासिल करने में सफल रहे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि किसी निर्णायक दिशा का अभाव होने पर भी घरेलू बाजार सकारात्मक दशा में बंद हुए। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में लगातार तीन दिन गिरावट के साथ और दो दिन हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई और बीएसई का सेंसेक्स 22.39 अंकों की बढ़त के साथ 62,050.29 पर खुला और 317.81 अंकों की बढ़त के साथ 62,345.71 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 3.60 अंकों की बढ़त के साथ 18,318.40 पर खुला और 84.05 अंकों की उछाल के साथ 18,398.85 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 146.79 अंकों की गिरावट के साथ 62,198 पर खुला और 413.24 अंकों की गिरावट के साथ 61,932.47 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 32 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 18366 पर खुला और 112.35 अंक फिसलकर 18,286.50 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 68.63 अंक फिसलकर 61,863.84 पर खुला और 413 अंक गिरकर 61,932 पर बंद हुआ। निफ्टी 3.30 अंक टूटकर 18,283.20 पर खुला और 112 अंक टूटकर 18,286 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 342.17 अंकों की बढ़त के साथ 61,902.81 पर खुला और 128.90 अंक फिसलकर 61,431.74 पर बंद हुआ। निफ्टी 91.45 अंक मजबूत होकर 18,276.70 पर खुला और 51.80 अंक टूटकर 18,129.95 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 92.26 अंक (0.15 फीसदी) की बढ़त के साथ 61,524.00 पर खुला और 297.94 अंकों की बढ़त के साथ 61,729.68 पर बंद हुआ। निफ्टी 3.05 अंक की बढ़त के साथ 18,133.00 पर खुला और 73.45 अंक मजबूत होकर 18203.40 पर बंद हुआ।

निसान कैसे बन गई पॉपुलर कारमेकर

-बेहद रोचक है निसान का इतिहास

नई दिल्ली ।
सैन्य वाहन बनाने वाली कंपनी निसान कैसे बन गई पापुलर कार मेकर, आज हम आपको निसान कंपनी के बारे में बताने जा रहे हैं। जापान के इस टोक्यो बेस्ड कंपनी का अब तक का सफर कैसा रहा, आइए जान लेते हैं। निसान के इतिहास की बात करें तो 1 जून,1934 को टोक्यो स्थित जिदोशा-सीज़ो काबुशिकी-कैशा ने निसान मोटर कंपनी का नाम लिया था। जिदोशा-सीज़ो काबुशिकी-कैशा की स्थापना दिसंबर 1933 में हुई थी। कंपनी का नया नाम, जून 1934 में अपनाया गया था। निसान ने 1935 में अपने योकोहामा प्लांट में पहला वाहन निर्मित किया था। इसका नाम डैटसन है। डैटसन, जापानी ऑटोमोटिव पायनियर मासुजिरो हाशिमोटो द्वारा डिजाइन किया गया एक छोटा और बॉक्सी यात्री वाहन था। कंपनी ने वर्ष 1935 में ही ऑस्ट्रेलिया को कारों का निर्यात करना शुरू किया था। इसके बाद द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, निसान पूरी तरह से छोटी यात्री कारों के उत्पादन से ट्रकों और सैन्य वाहनों के उत्पादन में परिवर्तित हो गया। मित्र देशों की सेना ने 1945 में निसान के अधिकांश उत्पादन कार्यों को जब्त कर लिया था और एक दशक बाद तक निसान को पूर्ण नियंत्रण वापस नहीं किया था। इसके बाद 1960 में, निसान इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के लिए डेमिंग पुरस्कार जीतने वाली पहली जापानी वाहन निर्माता कंपनी बनी।

ब्लूबर्ड (1959), सेड्रिक (1960) और सनी (1966) जैसे नए डैटसन मॉडल ने जापान और विदेशों में निसान की बिक्री बढ़ाने में मदद की और कंपनी ने 1960 के दशक के दौरान अभूतपूर्व सफलता हासिल की। निसान अब दुनिया भर के 17 देशों में कारोबार कर रही है। भारत में निसान के पास दो ब्रांड निसान और डैटसन का पोर्टफोलियो है। फरवरी 2008 में, निसान ने अपने वैश्विक गठबंधन सहयोगी रेनॉल्ट और तमिलनाडु सरकार के साथ चेन्नई के पास ओरागादम में 7 साल की अवधि में 45 अरब रुपये के निवेश के साथ एक मैनुफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया था।

अप्रैल में कृषि श्रमिकों और ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति घटी

नई दिल्ली । कृषि श्रमिकों एवं ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च की तुलना में अप्रैल में नरम पड़ते हुए क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.52 प्रतिशत पर आ गई। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के श्रम ब्यूरो ने एक बयान में कहा` कि अप्रैल 2023 में कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 6.50 प्रतिशत रहा जबकि ग्रामीण मजदूरों के लिए यह 6.52 प्रतिशत रहा। मार्च में यह क्रमशः 7.01 प्रतिशत एवं 6.94 प्रतिशत रही थी। एक साल पहले अप्रैल 2022 में कृषि श्रमिकों एवं ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति क्रमशः 6.44 प्रतिशत एवं 6.67 प्रतिशत थी। इसी तरह अप्रैल 2023 में खाद्य मुद्रास्फीति भी कम होकर क्रमशः 6.67 प्रतिशत एवं 6.52 प्रतिशत पर आ गई जबकि मार्च में यह क्रमशः 7.12 प्रतिशत एवं 7.07 प्रतिशत थी। एक साल पहले अप्रैल 2022 में यह आंकड़ा क्रमशः 5.29 प्रतिशत एवं 5.35 प्रतिशत था। अप्रैल में कृषि श्रमिकों एवं ग्रामीण मजदूरों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक क्रमशः पांच एवं छह अंक बढ़कर 1,180 एवं 1,192 अंक हो गया। मार्च में इनका सूचकांक क्रमशः 1,175 और 1,186 अंक था। श्रम ब्यूरो ने कहा कि अप्रैल में दाल, दूध, सूखी मिर्च, लहसुन, अदरक, मसाले, चीनी, गुड़, सब्जियों एवं फलों के दाम में बढ़ोतरी देखी गई।

महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल की कीमत में तेज गिरावट

राजस्थान और मध्यप्रदेश में पेट्रोल और डीजल महंगा

नई दिल्ली ।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में शनिवार को थोड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.43 फीसदी गिरकर 71.55 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.37 फीसदी गिरकर 75.58 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 1 रुपए कम होकर 105.96 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। वहीं डीजल की कीमत में 97 पैसे की गिरावट है और यह 92.49 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है। पंजाब में पेट्रोल 47 पैसे और डीजल 45 पैसे सस्ता हो गया है। इसी तरह हरियाणा, केरल सिक्किम और झारखंड में पेट्रोल और डीजल के दाम घटे हैं। दूसरी ओर तेलंगाना में पेट्रोल 1.48 और डीजल 1.39 रुपए महंगा होकर क्रमशः 111.83 और 99.84 प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और ओडिशा समेत कुछ और राज्यों में भी पेट्रोल और डीजल महंगा हुआ है। एक महानगर चेन्नई में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 11 और 9 पैसे सस्ता हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.94 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट की विशेषज्ञ समिति ने सेबी के जटिल केसों के लिए मल्टी-एजेंसी कमेटी का सुझाव दिया

- जांच समिति भारत सरकार द्वारा वित्तीय स्थायित्व एवं विकास परिषद के संरक्षण में बनाई जा सकती है

नई दिल्ली ।
सर्वोच्च न्यायालय की 6 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति ने बाजार नियामक सेबी के साथ जुड़े जटिल मामलों की जांच के लिए केंद्र द्वारा मल्टी-एजेंसी कमेटी यानी कई एजेंसियों वाली समिति बनाने का सुझाव दिया है। विशेषज्ञ समिति ने कहा है कि इस तरह की नई कमेटी ऐसे मामले में उपयोगी होगी जिनमें कौशल, और विभिन्न नियामकीय और प्रवर्तन एजेंसियों की दक्षता जरूरी है। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है, जटिल प्रवर्तन मामलों में एक ऐसा ढांचा बनाना जरूरी होगा, जिससे कि जांच समिति खास मामले में जरूरी जांच करने में सक्षम हो सके।'रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच समिति भारत सरकार द्वारा वित्तीय स्थायित्व एवं विकास परिषद के संरक्षण में बनाई जा सकती है। संबद्ध मामले को व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण जांच करार देकर ऐसी जांच समिति के पास भेजा जाएगा। हालांकि समिति ने स्पष्ट किया है कि सरकार उन्हीं मामलों में ऐसे ढांचे का सहारा लेने में सक्षम होगी, जो गंभीर अंतरक्षेत्रीय प्रभाव से जुड़े हों और उसे अनुशासित कौशल पर जोर देने की जरूरत होगी। समिति का कहना है कि 2021-22 में सेबी द्वारा शुरू की गई कार्यवाहियों की संख्या बढ़कर 7,195 पर पहुंच गई, जबकि 2020-21 में ऐसे मामले 562 और 2019-20 में 249 थे। समिति ने सुझाव दिया है कि सेबी का नियामकीय लक्ष्य समय पर पूरा हो सकता है और कुछ बड़े और जटिल मामलों में त्वरित कदम उठाने की जरूरत होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, नियामक को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए, यह नीति बनानी होगी कि गंभीर या ज्यादा महत्व के मामलों का निपटान कैसे किया जा सके।

कार्यवाहियों की संख्या में तेजी को देखते हुए यह अध्ययन करने की जरूरत महसूस हुई है कि किस तरह से निपटान प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। समिति ने कहा है कि चूंकि बाजार नियामक ने बिचौलियों को लाइसेंस देने से लेकर क्रियान्वयन के लिए अधिकार प्रदान किए हैं, इसलिए मौजूदा हालात में सेबी को और ज्यादा अधिकार दिए जाने की जरूरत नहीं है।

हालांकि समिति ने कहा है कि नियामक के लिए न्यायिक अनुशासन की जरूरत थी, क्योंकि कई बार अधिकारी समान मामले पर अलग निर्णय लेते हैं। सेबी को जांच शुरू करने, जांच पूरी करने, कार्यवाही शुरू करने, निपटान आदि के लिए तय समय-सीमा भी अपनानी चाहिए।

इसे कानून में शामिल किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि समय-सीमा के कुछ बिंदु दिशात्मक होने चाहिए और अन्य को अनिवार्य बनाया जासकता है, लेकिन कानून में समय-सीमा का पूरी तरह से अभाव एक ऐसी समस्या है जिसे दूर करने की जरूरत है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, सेबी के लिए ऐसी कार्य प्रणालियों के बारे में अध्ययन करना और सेबी के प्रवर्तन को नियंत्रित करने वाले संबद्ध कानूनों में ऐसा ढांचा अपनाना जरूरी होगा। सेबी ऐक्ट के लिए ऐसे स्व-अनुशासन प्रावधानों को संसद द्वारा संशोधित किए जाने की जरूरत नहीं है।

जोमैटो का मार्च तिमाही का मुनाफा घटकर 187.6 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।
ऑनलाइन खाना ऑर्डर की सुविधा देने वाला मंच जोमैटो का 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर घटकर 187.6 करोड़ रुपए रह गया। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का घाटा कम हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 359.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। जोमैटो की एकीकृत परिचालन आय वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही के 1,211.8 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2023 तिमाही में 2,056 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने बताया कि मार्च, 2023 तिमाही में कुल व्यय 2,431 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,701.7 करोड़ रुपए रहा था। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी का घाटा 971 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,222.5 करोड़ रुपए था। कंपनी की एकीकृत परिचालन आय वित्त वर्ष 2021-22 के 4,192.4 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 7,079.4 करोड़ रुपए हो गई।

सेबी ने एफएंडओ सौदों के लिए जोखिम खुलासे अनिवार्य बनाए

मुंबई ।
जुलाई तक देश में सभी शेयर ब्रोकरों को अपनी वेबसाइट पर इक्विटी वायदा एवं विकल्प (एफऐंडओ) सेगमेंट में कारोबार से जुड़े जोखिम संबंधित खुलासों की जानकारी देनी होगी। उद्योग विश्लेषकों का कहना है कि कुछ खास निवेशकों को डेरिवेटिव कारोबार से जुड़े जोखिमों के प्रति चेताने के लिए यह सेबी द्वारा नियोजित उपायों में से एक है। सेबी ने एक सर्कुलर में कहा है। हालांकि निवेशकों द्वारा निवेश के निर्णय अपनी स्वयं की आकलन प्रक्रिया और जोखिम सहन करने की क्षमता पर आधारित होते हैं, लेकिन उन्हें डेरिवेटिव में कारोबार से जुड़े जोखिमों के बारे में स्पष्ट जानकारी देना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्लेऑफ में पहुंचने आज आरसीबी को देनी होगी गुजरात टाइटंस को पटखनी

-मौसम विभाग में बारिश का जताया पूर्वानुमान

बेंगलुरू (एजेंसी)। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम जानती है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को आईपीएल के आखिरी लीग मैच में जीत दर्ज करने के लिए टीम को क्या करने की जरूरत है। विराट कोहली फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आए हैं, जबकि कप्तान फाफ डुप्लेसी अभी तक 600 से अधिक रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। आरसीबी की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स से आगे चौथे स्थान पर है। इन तीनों टीमों के समान 14 अंक हैं। मुंबई को एक अन्य मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करना है और उसके पास भी आरसीबी की तरह अपने अंकों की संख्या 16 तक पहुंचाने का मौका है। आरसीबी को अपने घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा तब मिलेगा ही साथ ही आरसीबी को तब तक मुंबई और सनराइजर्स के बीच दोपहर में होने वाले मैच का परिणाम भी पता चल जाएगा। वहीं हार्दिक पंड्या की अगुवाई में गुजरात ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है और उसकी टीम लगातार दूसरे साल खिताब जीतने की दौड़ में आगे बनी हुई है। गुजरात की टीम 13 मैचों में 18 अंक लेकर लीग चरण में अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर चुकी है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस दोनों ही बड़ी जीत दर्ज करने के बाद मैच में उतरने की तैयारी में हैं। गुजरात ने जहां सनराइजर्स को 34 रन से हराया वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में कोहली ने शतक जमाया जो उनका आईपीएल में कुल मिलाकर छठा शतक था। कोहली और उनके सलामी जोड़ीदार डुप्लेसी ने उस मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और टीम उससे प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। लेकिन गुजरात के खिलाफ मैच आसान नहीं होगा जिसकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मजबूत टीम के खिलाफ कोहली, डुप्लेसी

और ग्लेन मैक्सवेल कैसा प्रदर्शन करते हैं। आरसीबी के लिए सबसे बड़ी चिंता कोहली, डुप्लेसी और मैक्सवेल पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता होना है। यदि गुजरात की टीम शुरू में विकेट लेने में सफल रहती है, तब आरसीबी की मुश्किलें बढ़ेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज और वायने पर्नेल आरसीबी के लिए अच्छी भूमिका निभा रहे हैं लेकिन उनका सामना बेहतरीन फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल, रिद्धिमान साहा, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया और कप्तान पंड्या से होगा। अनुभवी मोहम्मद शमी, राशिद खान और मोहित शर्मा की मौजूदगी में गुजरात टाइटंस का आक्रमण बेहद तगड़ा है। वहीं मौसम की बात करें तब बारिश की संभावना बताई गई है, जो कि आरसीबी के लिए अच्छी खबर नहीं होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का स्क्वॉड: फाफ डुप्लेसी (कप्तान), आकाश दीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सिद्दार्थ कौल, विराट कोहली, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज़ अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाक, केदार जाधव

गुजरात टाइटंस का स्क्वॉड: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे, जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा

चेन्नई ने प्लेऑफ में पक्की की अपनी जगह, एकतरफा मुकाबले में दिल्ली को 77 रनों से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के लीग मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को कितने रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 223 रन बनाए थे। जीत के लिए दिल्ली को 224 रन बनाने थे। लेकिन दिल्ली की टीम 9 विकेट पर 146 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही चेन्नई ने प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। चेन्नई फिलहाल 17 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। प्लेऑफ की दो अन्य टीमों के लिए सबकी निगाहें लखनऊ सुपरजाइंट्स रॉयल, चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के अलावा मुंबई इंडियंस पर भी होगी। आज के मुकाबले की बात करें तो 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम को 5 रन के स्कोर पर ही पहला झटका लगा। 26 के स्कोर पर दिल्ली के तीन विकेट गिर चुके थे। हालांकि, कप्तान डेविड वार्नर एक तरफ से विकेट को संभाले रखा। उन्होंने ताबड़तोड़ 57 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इसके अलावा दिल्ली का कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। चेन्नई की ओर से आज भी दीपक चहर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 22 रन देकर तीन सफलताएं हासिल की। वहीं, तुषार देशपांडे को एक और पथिराणा को भी एक सफलता मिली।

रूतुराज गायकवाड़ और डेवोन कोंवे के बीच पहले विकेट के लिये 87 गेंद में 141 रन की साझेदारी की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के आखिरी लीग मैच में शनिवार को तीन विकेट पर 223 रन बनाये। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो उनके सलामी बल्लेबाजों ने सही साबित कर दिखाया। दोनों ने दिल्ली के किसी गेंदबाज को नहीं बख्शा और पहले ही ओवर से तेजी से रन बनाने का सिलसिला शुरू किया। गायकवाड़ 50 गेंद में तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 79 रन बनाकर आउट हुए जबकि कोंवे ने 52 गेंद में 87 रन की पारी खेली जिसमें 11 चौके और तीन छक्के शामिल थे। 13 मैचों में 15 अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज चेन्नई को प्लेआफ में पहुंचने के लिये यह मैच जीतना है जबकि दिल्ली पहले ही प्लेआफ की दौड़ से बाहर है। धोनी के आखिरी आईपीएल की अटकलों के बीच उन्हें खेलते देखने के लिये मैदान में भारी संख्या में पीली जर्सी पहने दर्शक जुटे। दोपहर का मैच और गर्मी के बावजूद दर्शकों के उत्साह में कोई कमी नहीं थी और चेन्नई के बल्लेबाजों के हर शॉट पर स्टेडियम शोर से गूंज उठता।

दूसरे ओवर में गायकवाड़ ने ललित यादव को चौका और कोंवे ने छक्का लगाकर 13 रन ले डाले। अनुभवी स्पिनर अक्षर पटेल का स्वागत गायकवाड़ ने चौथे ओवर में छक्के के साथ ही किया। चेतन सकारिया ने हालांकि छठे ओवर में सिर्फ दो रन ही दिये और पावरप्ले के छह ओवर में चेन्नई का स्कोर बिना किसी नुकसान के 52 रन था। चेन्नई के सौ रन 68 गेंद में बने और गायकवाड़ ने 12वें ओवर में कुलदीप यादव को लगातार तीन छक्के जड़कर इस आंकड़े को छुआ। इस ओवर में 20 रन बने। खलील अहमद 14वें ओवर में गेंदबाजी के लिये लौटे और कोंवे ने उन्हें डीप मिडविकेट पर छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया।

भज्जी ने बताया, रसेल का युग चला गया, अब रिंकू केकेआर के लिए एक्सफैक्टर

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने धमाकेदार प्रदर्शन कर हर किसी का ध्यान खींचा है। इसकारण कई पूर्व दिग्गजों द्वारा रिंकू को टीम इंडिया में शामिल करने की मांग उठा रहे है। वहीं केकेआर अब इस सीजन का अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ भिड़ने को तैयार है। इस मुकाबले में फिर फैंस को रिंकू से बड़ी उम्मीदें हैं। लेकिन एक समय था जब आंद्रे रसेल केकेआर के लिए चर्चा में रहते थे। लेकिन अब रिंकू नाम छाया हुआ है। वहीं क्रिकेटर से कमेंटेटर बने हरभजन सिंह ने भी माना कि अब रिंकू केकेआर के लिए एक्स-फैक्टर है, जबकि रसेल का टाइम चला गया है।

भज्जी ने कहा, अब रिंकू केकेआर के लिए एक्स-फैक्टर बन गया है, रसेल नहीं। रसेल का युग चला गया है। अब रिंकू का समय है। यहां तक कि अगर रिंकू को ऊपर भेजा जाता है, तब वह अपनी भूमिका दे सकता है। वह अलग क्षमता का खिलाड़ी है और हम जल्द ही उसके सिर पर भारत की टोपी देख सकते हैं। रिंकू सिंह का बल्ला इस बार जमकर चला हैं। उन्होंने 13 मुकाबले खेलकर 407 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल रहे। उन्होंने 25 चौके तब 25 ही छक्के जमाए हैं। रिंकू ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ लीग के एक मुकाबले में आखिरी ओवर में लगातार 5 छक्के लगाकर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

वहीं केकेआर हालांकि प्लेऑफ में जाने से चूक गया। उसके 13 मैचों मैचों में 12 अंक हैं। अगर वह अपना आखिरी मैच लखनऊ के खिलाफ जीत भी जाते हैं, तब फिर दूसरी टीमों के नतीजों पर उन्हें निर्भर रहना होगा। लेकिन टीम का नेट रन रेट फिलहाल -0.256 है, जिस कारण टीम को ना सिर्फ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि आरसीबी, मुंबई की भी बड़ी हार की उम्मीद रखनी होगी।

आज सनराइजर्स हैदराबाद को बड़े अंतर से हराने उतरेगी मुंबई इंडियंस

-टीम प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आज की जीत जरुरी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी, जो उसका आईपीएल 2023 के वर्तमान सत्र में अंतिम मैच भी हो सकता है। सनराइजर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है लेकिन मुंबई के पास अभी मौका है और वह इसका फायदा उठाने के लिए बेताब है। मुंबई ने वानखेड़े स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुंबई ने यहां अभी तक चार मैच जीते जबकि दो मैचों में रोहित की टीम को हार का सामना करना पड़ा। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। यह उसके पास अपना नेट रन रेट सुधारने का भी अंतिम मौका होगा।

मुंबई के अभी 13 मैचों में 14 अंक हैं, इसके बाद मुंबई को बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की जरूरत है, क्योंकि एक अन्य टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पास भी 16 अंक तक पहुंचने का मौका है। आरबीसी का नेट रन रेट मुंबई से बेहतर है। अभी तीन टीमों के समान 14 अंक हैं। इसमें राजस्थान रॉयल्स अपने सभी मैच खेल चुका है, लेकिन उसका नेट रन रेट मुंबई से बेहतर है। आरसीबी इन तीनों टीमें बेहतर नेट रन रेट के कारण

चौथे स्थान पर है।

यदि मुंबई मैच में जीत दर्ज कर लेता है, और आरसीबी एक अन्य मैच में गुजरात टाइटंस से हार जाता है, तब फिर मुंबई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी लेकिन अगर यह दोनों टीमें जीत हासिल करती हैं तब बेहतर नेट रन रेट वाली टीम आगे बढ़ेगी। मुंबई को अगर अगले दौर में पहुंचना है तब उस पिछले मैच की तरह मौका नहीं गंवाना होगा जब उसकी टीम लखनऊ सुपरजाइंट्स से पांच रन से हार गई थी जिसके कारण वह दो महत्वपूर्ण अंक हासिल करने से चूक गया था। अपने घरेलू मैदान पर मुंबई की सबसे बड़ी चिंता गेंदबाजी को लेकर है, क्योंकि उसके खिलाफ लगातार चार मैचों में 200 से अधिक रन बने। मुंबई ने डेथ ओवरों में खराब गेंदबाजी के कारण कई अवसरों पर मैच पर से अपना नियंत्रण गंवाया।

रोहित के अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं होने के बावजूद सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, ईशान किशन और नेहल बढेरा की शानदार बल्लेबाजी से टीम ने खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। ये सभी बल्लेबाज सनराइजर्स के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाले हैं। जहां तक सनराइजर्स की बात है, तब उसके पास गंवाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह जीत के साथ अपने अभियान का अंत करने की कोशिश करेगा। आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में हेनरिक क्लासेन के शतक के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

टीम इस प्रकार हैं:

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), क्रिस जॉर्डन, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन (विकेटकीपर), डुआन जानसेन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव।

सनराइजर्स हैदराबादः एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मारकंडे, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील होसेन और अनमोलप्रीत सिंह।

अभी तक फाफ डु प्लेसिस के सिर पर ऑरेंज कैप का ताज, दूसरे खिलाड़ी लग रहे जोर

मुंबई । आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाकर आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई है। वहीं आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में फाफ डुप्लेसिस का नाम सबसे उपर हैं, उन्होंने इस सीजन में 702 रन बनाए हैं। इस दौरान फाफ ने अब तक 13 मैचों में 58.80 की औसत और 153.95 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और वह लिस्ट में शीर्ष पर हैं। कोहली और डुप्लेसी के अलावा टॉप-5 में यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और डेवोन कॉन्वे हैं। ऑरेंज कैप अभी फाफ डु प्लेसिस के सिर पर हैं, जिस बाकी खिलाड़ी अपने नाम करने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी यशस्वी बल्लेबाजी की दौड़ में दूसरे स्थान पर हैं। यशस्वी ने अब तक कुल 14 मैचों में 625 रन बनाए है। तीसरे स्थान पर गुजरात टाइटनस के शुभमन गिल है जिन्होनें अब तक कुल 13 मैच में 576 रन बनाए हैं, चौथे स्थान पर आरसीबी के स्टार विराट कोहली ने कुल 13 मैचों में 538 रन बनाए है, वहीं पाचवे स्थान पर डेवोन कॉन्वे मौजुद है, इन्होंने कुल 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं। आईपीएल 2023 में टॉप पांच बल्लेबाज में फाफ डु प्लेसिस 702 रन बनाकर नंबर एक पर, यशसवी जायसवाल 625 रन बनाकर दूसरे नंबर पर, शुभमन गिल 576 रनों के साथ तीसरे पायदान पर, वहीं विराट कोहली 538 रन के साथ चौथे स्थान पर और डेवोन कॉन्वे 498 रन के साथ पांचवे पायदान पर हैं।

विराट कोहली ने किया संन्यास पर खुलासा, फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरना जरुरी

मुंबई (एजेंसी)। विराट कोहली ने कहा है कि हमें अपने फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरना जरुरी है, तभी हमारे खेलने का कोई मतलब है। उन्होंने सन्यास पर खुलासा करते हुए कहा कि उस समय वह हताश जरा भी नहीं थे। गौरतलब है कि विराट कोहली आईपीएल 2023 में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। वे 500 से अधिक रन बना चुके हैं। टी20 लीग के 16वें सीजन में उन्होंने अपने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ताबड़तोड़ शतक ठोका। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को इस मैच में जीत मिली और उसके प्लेऑफ की उम्मीद बची हुई है। टीम के 13 मैच में 14 अंक हैं। अंतिम मुकाबले में उसे रविवार 21 मई को गुजरात टाइटंस से भिड़ना है। कोहली अब तक इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब नहीं जीत सके हैं। पिछले साल एशिया कप से पहले विराट कोहली ने ब्रेक लिया था। अब उन्होंने इसे लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने एक चैनल पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा से बातचीत करते हुए कहा कि मैं जब ब्रेक के बाद वापसी कर रहा था, तो मेरे साथ यह भी सोच थी कि यह मेरा कॉम्पेटेटिव क्रिकेट का अंतिम महीना हो सकता है। यानी वे संन्यास की सोच रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं इसके साथ बिल्कुल ठीक था। मैं खुश था कि भगवान ने मुझे क्या दिया है। मैं हताश

नहीं था।

गौरतलब है कि विराट कोहली ने एशिया कप के दौरान ही अफगानिस्तान के खिलाफ अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक ठोका था। लगभग 3 साल से अधिक समय बाद वे इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक लगाने में कामयाब हुए थे। अफगानिस्तान के खिलाफ ओपनिंग करने को लेकर उन्होंने खुलासा किया कि कोच राहुल द्रविड़ ने मैच से एक दिन पहले मुझसे पूछा कि क्या तुम कल ओपनिंग करना चाहते हो। मैंने कहा कि 100 फीसदी। विराट कोहली ने कहा कि मेरे लिए यह मौका अच्छा रहा। मैंने ओपनिंग की और गेंद को हिट करना शुरू कर दिया। सब कुछ मेरे लिए अच्छा हो गया और मुझे वह उत्साह फिर से मिल गया। यह इसलिए हुआ, क्योंकि मैं खुद को लेकर कभी असुरक्षित नहीं था। मैं खुद फैंस की उम्मीदों की पर खरा उतरना चाह रहा था। इसे मैं कह नहीं सकता था, लेकिन इसके लिए मेरी कड़ी मेहनत लगातार जारी थी।

विराट कोहली ने कहा कि अंत में मुझे में इसमें सफलता भी मिली। खराब दौर से उबरने के लिए मैंने ब्रेक लिया था। कोरोना का समय किसी के लिए भी काफी कठिन था। मैंने भी इस कारण ब्रेक लिया और वो फिर से हासिल कर लिया, जो मैं चाहता था। उन्होंने बताया कि कोरोना के कारण हम 10 महीने तक कोई क्रिकेट नहीं खेल सके थे। 2020 में मैंने सिर्फ 6 मैच खेले थे। इसके बाद भी सिर्फ मेरे शतक की बात हो रही थी। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बताया कि उस समय हर मैच के बाद मुझसे खराब प्रदर्शन के बारे पूछा जा रहा था। क्या मेरे 70 रन काफी नहीं थे। उन्होंने कहा कि मैं समझ गया कि लोग मुझसे क्या उम्मीद कर रहे हैं। इस कारण बार-बार ये सवाल किए जा रहे थे। लेकिन इसे लेकर मैं अधिक परेशान नहीं हुआ और यही सोच रहा था कि अभी मैं टीम के लिए योगदान दे रहा हूं।

पाकिस्तान के हॉकी कोच एकमैन को 12 माह से नहीं मिला वेतन, दिया इस्तीफा

कराची । पाकिस्तान के हॉकी कोच सिगफ्रीड एकमैन ने पिछले 12 महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एकमैन ने पिछले साल पाकिस्तान की हॉकी टीम का कोच पद संभाला था। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए मुख्य कोच पद छोड़ने की घोषणा की। नीदरलैंड के रहने वाले एकमैन पिछले साल के आखिर में वेतन विवाद के कारण स्वदेश लौट गए थे, लेकिन उन्होंने बकाया वेतन नहीं मिलने के कारण पद नहीं छोड़ा था। कोई समाधान नहीं होने के कारण उन्होंने आखिर में इस्तीफा दे दिया। एकमैन ने जिस समय पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को अपना इस्तीफा भेजा, उसी समय नीदरलैंड के रहने वाले अन्य कोच रोलेंट ओल्टमैंस पाकिस्तान पहुंचे। वह रविवार को राष्ट्रीय जूनियर टीम के साथ मस्कट के लिए रवाना होने वाले हैं, जहां पाकिस्तान की टीम एशिया जूनियर कप में भाग लेगी। पीएचएफ ने यह नहीं बताया कि ओल्टमैंस के वेतन का भुगतान कौन करेगा या एकमैन का बकाया चुकाया जाएगा या नहीं।

शतरंज टूर्नामेंट में प्रज्ञानन्दा ने लगातार हासिल की दूसरी जीत

शारजाह । शतरंज टूर्नामेंट में प्रज्ञानन्दा ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल की है। शतरंज इतिहास के सबसे मजबूत ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का दूसरा राउंड 39 मुकाबलों में से सिर्फ 10 परिणाम लेकर आया जबकि 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए। दूसरे दिन के बाद सिर्फ दो खिलाड़ी भारत के आर प्रज्ञानन्दा और विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजून दो ही ऐसे खिलाड़ी है जो 2 अंको पर खेल रहे हैं और अगले राउंड में दोनों के बीच मुक़ाबला होगा। प्रज्ञानन्दा और जू के बीच इससे पहले दोनों के बीच 2019 में एक मुक़ाबला हुआ था जिसमें उस समय 13 वर्षीय प्रज्ञानन्दा जीतने में सफल रहे थे। दूसरे राउंड में प्रज्ञानन्दा का मुक़ाबला था हमवतन रौनक साधवानी से, सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानन्दा ने राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन में रौनक के राजा के ओर के हिस्से में शुरुआत से दबाव बनाना शुरू कर दिया था पर खेल की 15वीं चाल में रौनक अपने घोड़े की कुछ चालें चलते समय उनके राजा पर होने वाले आक्रमण को ठीक तरह से नहीं समझ पाये और उसके बाद उनका खराब ऊंट और राजा की खराब स्थिति 37 चालों में उनकी हार का कारण बनी। वहीं भारत के दिग्गज खिलाड़ी विदित गुजराती को चीन की महिला विश्व शतरंज चैम्पियन जू वेंजून के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा , विदित सफ़ेद मोहरो से वेंजून के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से किंग्स पान ओपनिंग में एंडगेम में लगातार गलतियों के चलते 51 चालों में बाजी हार गए । अन्य प्रमुख परिणामों में ईरान के परहम मघसूदलू नें उक्रेन के अंटोन कोरोबोव से ,भारत के डी गुकेश नें बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव से , भारत के एसएल नारायनन नें चीन के यू यांगयी से ,भारत के अर्जुन एरिगासी नें टरकी जे यिलमज मुस्तफा से ,भारत के अरविंद चितांबरम नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से और भारत के निहाल सरीन नें जॉर्जिया के मिखाइल मिखिश्विली से बाजी ड्रॉ खेली।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और हॉकी ओलंपियन बूथ का निधन

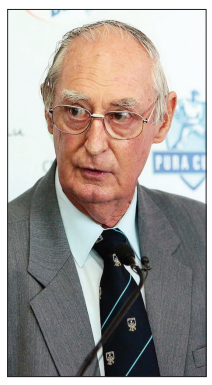

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और हॉकी ओलंपियन ब्रायन बूथ का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। बूथ ने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 29 टेस्ट मैच खेले, जिसमें से दो मैचों में वह कप्तान भी रहे। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में पांच शतक लगाए। वह 1960 के दशक के शुरुआती वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के महत्वपूर्ण सदस्य थे।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 42.21 की औसत से 1773 रन बनाए। इसके साथ ही बूथ ने 1956 में मेलबर्न में खेले गए ओलंपिक खेलों में ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व भी किया था। उनके निधन के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। मध्यक्रम के बल्लेबाज बूथ ने 1962 में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले घरेलू टेस्ट मैच में शतक जड़ा था। इसके बाद मेलबर्न में हुए अगले टेस्ट मैच में भी उन्होंने शतक बनाया था। बूथ ने न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलकर डोमेस्टिक लेवल पर 93 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 5577 रन बनाए, जिसमें उनके बल्ले से 11 शतक भी देखने को मिले। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉक्ले ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के निधन पर कहा, ब्रायन को पूरे क्रिकेट कम्युनिटी और उसके बाहर बहुत सम्मान और प्रशंसा मिली है। हम उनकी पत्नी जूडी, उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा, 50 से कम खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलियाई पुरुषों की टेस्ट टीम की कप्तानी की है और ब्रायन का नाम उस सूची में शामिल है जिसमें खेल के कई दिग्गज शामिल हैं। उनका असाधारण जीवन रहा है और उनकी कमी काफी ज्यादा खलेगी। क्रिकेट में उनका योगदान एक प्रेरणा बना हुआ है और उन्हें आगे भी हमेशा याद किया जाएगा।

यूरोपा लीग के फाइनल में पहुंची सेविला, रोमा से मुकाबला करने की तैयारी

मैड्रिड । सेविला ने जीत हासिल करके लीग के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेविला ने 120 मिनट के रोमांचक मुकाबले में जुवेंटस को 2-1 से हरा दिया, जो अतिरिक्त समय तक बढ़ा और 3-2 की कुल जीत दर्ज करते हुए यूरोपा लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला रोमा से होगा। अपने सातवें यूरोपा लीग खिताब के लिए इस मौके को सुरक्षित करना, कोच जोस लुइस मेंडिलिबार के नेतृत्व में सेविला के उल्लेखनीय परिवर्तन का परिणाम है, जिन्होंने अपने 12-गेम के कार्यकाल में सिर्फ एक हार का सामना किया है। हालां?कि खेल में शुरूआती हाफ आक्रामक कौशल का एक पूर्ण प्रदर्शन था, जिसमें दोनों टीमों ने एक जोरदार मुकाबले में नियंत्रण हासिल करने के अवसर बनाए। सेविला के गोलकीपर बोनो ने गेम के 12वें मिनट में कार्नर किक के बाद गट्टी के शक्तिशाली हेडर को डिफ्लेक्ट करते हुए एक असाधारण बचाव किया। सेविला का दबदबा था, और जुवेंटस के गोलकीपर वोज्शिएक स्जेसनी ने 23वें मिनट में लुकास ओकाम्पोस के डाइविंग हेडर को आखिरी सेकंड में विफल कर दिया।

जब अंशुमन भारत के कोच थे, वहां समय मेरे कैरियर का बेहतर समय था : तेंदुलकर

मुम्बई (एजेंसी)। दिग्गज पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि जब अंशुमन गायकवाड भारत के कोच थे, तब वे उनके क्रिकेट करियर के कुछ अच्छे वर्षों में से एक थे और वह इसतरह के व्यक्ति हैं जिन पर आप हमेशा भरोसा कर सकते हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज गायकवाड 1997 से 1999 तक भारत के कोच रहे थे। इस दौरान तेंदुलकर ने कुछ शानदार पारियां खेली थी जिसमें शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए गए दो शतक भी शामिल हैं। सचिन ने गायकवाड़ की जीवनी 'गट्स एमिडस्ट ब्लडबाथ के विमोचन के मौके पर कहा, ''मैं वास्तव में भाग्यशाली था कि जब वह हमारे कोच थे तब मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला। संभवत- जब वह कोच से तब वे मेरे करियर के बेहतर वर्ष थे। हम मेरी बल्लेबाजी और मुझे कैसा रवैया अपनाना चाहिए इसको लेकर चर्चा किया करते थे।

उन्होंने कहा, प्रत्येक खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं लेकिन वह हमेशा आपकी मदद के लिए मौजूद रहते थे। वह ईमानदार और बेहद पारदर्शी थे। वह ऐसे व्यक्ति थे जिन पर आप भरोसा कर सकते थे। उनके साथ जो भी चर्चा होती थी वह हमेशा गोपनीय रहती थी। यह किसी कोच का महत्वपूर्ण गुण होता है। हम वास्तव में एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने गेंदबाजी करते हुए क्रीज पर दौड़ने की उनकी कमजोरी को दूर करने का श्रेय गायकवाड को दिया। जहीर ने कहा, ''वह तब कोच थे जब पहली बार मैं क्रीज पर दौड़ने की समस्या से रूबरू हुआ। मैं अपने फॉलो-थ्रू पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा था लेकिन अंशु भाई ने इस बहुत अच्छी तरह से संभाला। अगर वह मेरी इस कमजोरी को दूर करने में मदद नहीं करते तब मेरा टीम में चयन नहीं हो पाता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।

हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

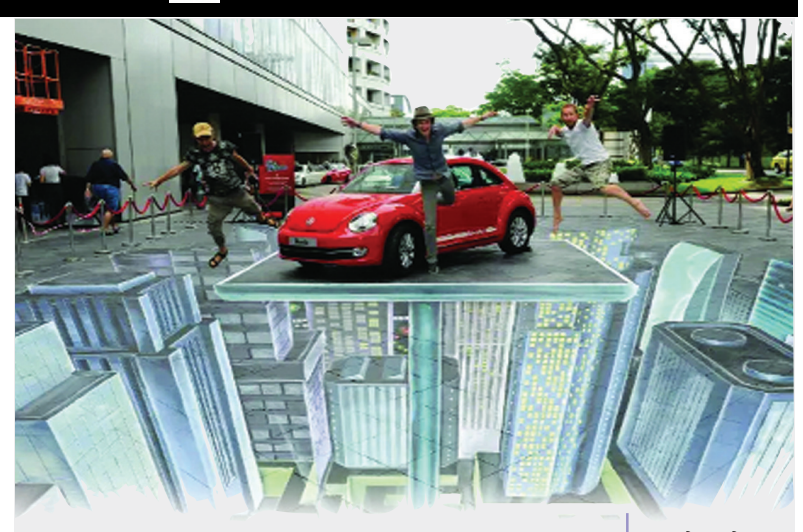

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।

इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

7.1 तीव्रता के भूकंप से हिला लॉयल्टी आइलैंड्स

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के लॉयल्टी आइलैंड्स के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने कहा कि रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.1 मापी गई। वहां शुक्रवार को भी 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार यूएसजीएस के नवीनतम अपडेट के कहा गया है कि भूकंप का केंद्र जमीन के भीतर 36 किमी की गहराई में 3.062 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 170.456 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। यूएसजीएस के अनुसार रात 1.51 बजे शुरुआती भूकंप के बाद 6.5 की तीव्रता वाला आफ्टरशॉक रात 2.09 बजे आया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने कहा कि फिजी, किरिबाती, वानुआतु और वालिस और फ्यूचूना के तटों पर सामान्य ज्वार से 0.3 मीटर की ऊंचाई तक सीमित रहने का अनुमान है। शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने घोषणा की थी कि लॉर्ड होवे द्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी दी गई है। लॉयल्टी आइलैंड्स, न्यू कैलेडोनिया के तीन प्रशासनिक उपखंडों में से एक है, जो पैसिफिक में लॉयल्टी आइलैंड द्वीपसमूह को शामिल करता है, जो ग्रांडे टेरे के न्यू कैलेडोनियन मुख्य भूमि के उत्तर-पूर्व में स्थित है।

रूस के अनाज निर्यात 30 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद : दिमित्री पेत्रुशेव

सेंट पीटर्सबर्ग । रूस के कृषि मंत्री दिमित्री पेत्रुशेव ने कहा कि रूस के अनाज निर्यात का हिस्सा मध्यम अवधि में 30 फीसदी तक बढ़ सकता है। सोची में रूसी अनाज फोरम में पेत्रुशेव ने शुक्रवार को कहा कि कृषि विभाग घरेलू मुद्रा निपटान के लिए अनाज निर्यात का अध्ययन कर रहा है और यह 30 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। रूस आयातक देशों के साथ उनमें अनाज हबों के निर्माण और रूस में अनाज प्रसंस्करण के लिए संयुक्त उद्यमों के निर्माण पर भी बातचीत कर रहा है। पेत्रुशेव के अनुसार अनाज की बिक्री के लिए नए आशाजनक बाजारों की तलाश की जा रही है। पेत्रुशेव ने यह भी कहा कि 2022 की रिकॉर्ड अनाज उपज ने प्रमुख अनाज निर्यातकों में से एक के रूप में रूस की स्थिति को मजबूत किया है। रूस में पिछले साल दुनिया की सकल गेहूं उपज का 13 प्रतिशत से अधिक और सकल जौ उपज का लगभग 16 प्रतिशत उत्पादन हुआ था।

फुकुशिमा परमाणु संयंत्र का दौरा करेगी दक्षिण कोरिया की टीम

सियोल । दक्षिण कोरिया फुकुशिमा परमाणु संयंत्र का दौरा करने के लिए अगले सप्ताह सरकारी विशेषज्ञों के 21 सदस्यीय दल को जापान भेजेगा। इस दौरान यह दल शोधित लेकिन थोड़े से रेडियोधर्मी पानी को समुद्र में छोड़ने की जापान की विवादित योजनाओं की समीक्षा करेगा। अधिकारियों ने बताया कि रविवार से शुरू हो रही छह दिवसीय यात्रा का उद्देश्य संयंत्र की प्रसंस्करण प्रणाली की समीक्षा करना है, जो दूषित जल से रेडियोधर्मी पदार्थ को कम करती है। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि क्या शोधित जल समुद्र में छोड़े जाने के लिए सुरक्षित है। समुद्र के पानी की सुरक्षा द.कोरिया के लिए वर्षों से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है जो अब उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे तथा चीन की आक्रामक विदेश नीति जैसी संयुक्त चुनौतियों से निपटने के लिए लंबे समय से अपने तनावपूर्णसंबंधों में सुधार लाने पर काम कर रहे हैं। इस महीने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यियोल के साथ एक शिखर वार्ता के बाद जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने घोषणा की कि उनकी सरकार खाद्य सुरक्षा को लेकर द.कोरिया की चिंताओं को शांत करने के लिए फुकुशिमा में दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों के दल की मेजबानी के लिए सहमत हो गई है।

बिना सैंपल लिए हवा से ही हो जाएगी डीएनए की पहचान, फारेंसिक जांच में होगा चमत्कार

फ्लोरिडा । अब फारेंसिक जांच के लिए अपराधियों के डीएनए जांच के लिए सैंपल लेने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि अब हवा से ही डीएनए लेकर उसकी जांच करके अपराधी की पहचान कर ली जाएगी। इस अनुसंधान को एक तरह से चमत्कार बताया जा रहा है। हालांकि अभी इस पर काम चला रहा है। जिस तरह फर्नीचर, पैरों के निशान, शरीर आदि से डीएनए निकाला जा सकता है, ठीक उसी तरह खुली हवा से भी डीएनए लिया जा सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हम हर जगह अपना डीएनए छोड़ते रहते हैं। हवा में भी हमारे डीएनए के अंश पाए गए हैं। इसलिए अपराधी को पकड़ने के लिए जांच एजेंसियों को अब उनके शरीर से डीएनए के नमूने लेने की जरूरत नहीं होगी, हवा से ही डीएनए के नमूने एकत्र करके अपराधी का पता लगा लेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और आयरलैंड के शोधकर्ताओं ने वायुमंडल से कुछ नमूने इकट्ठा किए और जांच के बाद पाया कि उच्च गुणवत्ता वाले मानव डीएनए का आसानी से पता लगाया जा सकता है और किसी व्यक्ति से मिलान किया जा सकता है। एक रिसर्च में पता चला कि पर्यावरण में घूम रहा डीएनए हमारे आसपास की आबादी के आनुवांशिक वंश को निर्धारित करने में मदद करता है। नया रिसर्च मेडिकल और फोरेंसिक में चमत्कारिक राह खोल सकता है। जानकारी के अनुसार फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर डेविड डफी ने अपनी टीम के साथ यह अध्ययन किया। उनके नमूनों में समुद्र तट से मानव नंगे पैरों के निशान, महासागरों और नदियों में पानी के नमूने, अछूते तटों से रेत और विभिन्न स्थलों पर कैद की गई हवा शामिल थी। पहली बार हवा के नमूनों से मानव का डीएनए जुटाया गया। कुछ सुदूर द्वीपों के अलावा टीम ने लगभग हर जगह मानव जीवन होने के संकेत पाए। एक पशु चिकित्सालय से एकत्र किए गए वायु के नमूनों में भी ईडीएनए पाया गया, जिसमें वैज्ञानिकों ने डीएनए की पहचान की जो कर्मचारियों और सामान्य पशु विषाणुओं से मेल खाते थे। शोधकर्ताओं के मुताबिक, ईडीएनए कैंसर जैसी घातक बीमारियों को समय से पहले पता लगाने में मदद कर सकता है। छिपे हुए पुरातात्विक स्थलों को उजागर कर सकता है। यहां तक कि हवा के माध्यम से अपराधियों की तुरंत पहचान की जा सकती है। डफी ने कहा, हम रिसर्च के नतीजे देखकर लगातार आश्चर्यचकित हुए। हम कई बार सोचते हैं कि इंसानों के डीएनए का नमूना लेना कितना मुश्किल काम है। ज्यादातर मामलों में डीएनए की गुणवत्ता काफी खराब होती है। मगर हवा से डीएनए के नमूने लेंगे तो इंसानों से लिए गए डीएनए की गुणवत्ता के बिल्कुल बराबर होगा। हालांकि, इस रिसर्च से कई खतरे भी सामने आए हैं। इंसान की प्राइवेसी खत?म हो सकती है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र से कहा, सभी आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए योजनाएं बना रहे

वॉशिंगटन। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को बताया है कि वह विभिन्न आपदाओं से होने वाला नुकसान कम करने के मुद्दे को काफी अहमियत देता है और बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, लू और बिजली गिरने सहित सभी आपदाओं से होने वाली जान-माल की हानि को घटाने के लिए महत्वाकांक्षी शमन कार्यक्रम विकसित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (2015-2030) के लिए सेंदाई कार्ययोजना की मध्यावधि समीक्षा के एक सत्र में कहा कि भारत में आपदा जोखिम में कमी एक 'सार्वजनिक नीति का केंद्रीय मुद्दा' है। मिश्रा संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 18-19 मई को आयोजित इस उच्च-स्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत सदस्य देश 'आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए एक कार्य समूह' का गठन करने पर सहमत हुए हैं। मिश्रा ने कहा, ₹जी20 कार्य समूह द्वारा जिन पांच प्राथमिकताओं की पहचान की गई है, उनमें सभी के लिए प्रारंभिक चेतावनी, लचीला बुनियादी ढांचा, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के लिए बेहतर वित्तपोषण, प्रतिक्रिया के लिए प्रणाली एवं क्षमताओं में सुधार और डीआरआर के लिए इको-सिस्टम आधारित दृष्टिकोण शामिल है। ये प्राथमिकताएं वैश्विक स्तर पर सेंदाई कार्ययोजना से जुड़े लक्ष्यों की प्राप्ति में अतिरिक्त सहायता प्रदान करेंगी।' उन्होंने संरा महासभा को बताया कि भारत ने आपदा जोखिम में कमी के लिए निर्धारित धनराशि में काफी वृद्धि की है और आपदा जोखिम प्रबंधन से जुड़ी जरूरतों (आपदा जोखिम न्यूनीकरण, तैयारी, प्रतिक्रिया, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण) का समर्थन करने के लिए अपने वित्तपोषण ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

सिएरा में आपातकालीन सेवाओं ने शुक्रवार को कहा कि कासेरेस शहर के उत्तर में लास हर्डेस और सिएरा डे गाटा के क्षेत्रों में तेज हवाएं आग को नियंत्रित करना कठिन बना रही हैं, जहां इस क्षेत्र के सबसे घने जंगल हैं।

जिनपिंग ने मध्य एशियाई नेताओं से की मुलाकात, व्यापार, ऊर्जा विकास पर दिया जो

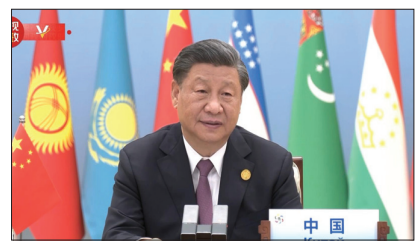

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बैठक में मध्य एशिया के साथ अधिक रेलवे और अन्य व्यापार संपर्क बनाने का वादा किया। इसके साथ ही उन्होंने में तेल और गैस स्रोतों को संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव भी दिया। उन्होंने पश्चिमी शहर शीआन में दो दिवसीय चीन-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान यह बता कही। यह बैठक चीन पर केंद्रित व्यापार और सुरक्षा तंत्र को विकसित करने के बीजिंग के प्रयासों को दर्शाती है, जो वैश्विक मामलों में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती दे रहा है। उल्लेखनीय है कि यह बैठक ऐसे वक्त में हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित जी7 अर्थव्यवस्थाओं के नेता जापान में मिल रहे थे। शी ने कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा हमें आर्थिक और व्यापार संबंधों का विस्तार करने की जरूरत है। चीन मध्य एशिया में आर्थिक पैठ बना रहा है, जिसमें रेलवे और अन्य व्यापार संबंधी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बेल्ट एंड रोड पहल शामिल है।

जी-7 शिखर सम्मेलन : खुद पीएम मोदी से मिलने कुर्सी तक आए बाइडेन, पीएम मोदी ने उठाकर लगाया गले

- दोनों नेताओं के बीच दिखी गर्मजोशी

हिरोशिमा (एजेंसी)। जापान के हिरोशिमा में इनदिनों जी-7 देशों का शिखर सम्मेलन चल रहा है। इस बैठक में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को गले लगाया। इसका वीडियो सामने आया है। पीएम मोदी का जापानी प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी ने स्वागत किया। इस दौरान वह दोनों से मजाकिया अंदाज में मिले। बाद में पीएम मोदी आकर हॉल में बैठ गए। पीएम मोदी के ओर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति और फ्रांस के राष्ट्रपति बैठे हुए थे। जब अमेरिकी राष्ट्रपति हॉल में आए तब वह पीएम मोदी की ओर बढ़ने लगे। अमेरिका राष्ट्रपति के आने का पता चलने पर तुरंत पीएम मोदी अपनी कुर्सी से उठे और जाकर उन्हें गले लगाया। अमेरिका राष्ट्रपति की कुर्सी दूसरी तरफ थी। इसके वह सिर्फ पीएम मोदी से मिलने के लिए उनकी तरफ आए। गले मिलने के बाद उन दोनों ने एक दूसरे का हाथ को थामे हुए कुछ बातचीत भी की। इसके बाद मोदी अपनी कुर्सी पर बैठ गए और जो बाइडेन वापस लौटने लगे। जब बाइडेन अपनी कुर्सी की ओर बढ़ रहे थे, तब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो आकर मिले।

दरअसल भारत इस साल जी-20 देशों का अध्यक्ष है। इसके साथ ही पीएम मोदी अगले महीने अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे, जो दोनों देशों के बीच रिश्तों को और भी बेहतर करेगा। लेकिन बाइडेन का आकर मिलना सिर्फ इतना ही मायने नहीं रखता। जी-7 देशों के इस समिट का प्रमुख मुद्दा रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन है। चीन के खिलाफ एक बार को भारत खड़ा हो जाता है, लेकिन रूस के लिए नहीं। युद्ध की शुरुआत से ही भारत ने पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भी रूस की आलोचना नहीं की है। इसके अलावा भारतीय वोटरों का बड़ा समर्थन भी बाइडेन को हासिल है, जिन्हें वह अपने से दूर नहीं होने देना चाहते।

पिछले साल जर्मनी में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भी कुछ इसी तरह की तस्वीरें देखने को मिली थीं। उस दौरान बाइडेन पीएम मोदी से मिलने के लिए बेचैन दिखे। दरअसल तब शिखर सम्मेलन में आए सभी नेता तस्वीरें खिंचवाने के लिए एक सीढ़े पर खड़े थे। तब जो बाइडेन अपनी जगह पर जाकर खड़े होने की जगह मोदी की ओर गए। इसके बाद में उन्होंने मोदी के कंधे पर हाथ रखा। इसे देख कर भी नरेंद्र मोदी जो बाइडेन को देख कर एक सीढ़ी ऊपर चढ़े और हाथ मिलाया।

भड़का रूस, बराक ओबामा समेत 500 अमेरिकी नागरिकों की एंट्री बैन

मास्को (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा पर रूस ने अपने देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रूस के मंत्रालय के एक बयान के अनुसार ओबामा स?हित 500 अमेरिकियों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिसमें अमेरिकी कार्यकारी शाखा के कई वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं। ओबामा के अलावा, सूची में पूर्व अमेरिकी राजदूत जॉन हंट्समैन, कई अमेरिकी सीनेटर और संयुक्त प्रमुखों के अगले अपेक्षित अध्यक्ष चार्ल्स क्यू ब्राउन जूनियर भी शामिल हैं। प्रसिद्ध अमेरिकी देर रात टीवी शो के मेजबान जिमी किमेल, कोलबर्ट और सेठ मेयर्स भी हैं जिन्हें रूस द्वारा देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मी?डिया में आ रही खबरों के अनुसार, रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि संलग्न सूची-500 में सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वे लोग भी शामिल हैं जो तथाकथित स्टॉर्मिंग द कैपिटल के मद्देनजर असंतुष्टों के उत्पीड़न में सीधे तौर पर शामिल हैं। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को ये बात बहुत पहले ही सीख लेना चाहिए था कि हमारे खिलाफ एक भी दुश्मनी वाला फैसलें को हम यूं ही नहीं छोड़ेंगे।

रूस ने जिन अमेरिकियों पर बैन लगाया है उनमें बराक ओबामा के अलावा टेलीविजन होस्ट स्टीफन कोलबर्ट, जिमी किमेल और सेठ मेयर्स भी शामिल थे। रूसी मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में प्रतिबंधों को उचित ठहराया, जिसमें कहा गया कि वाशिंगटन के लिए यह सीखने का सही समय है कि रूस के खिलाफ एक भी शत्रुतापूर्ण हमले पर जबाव मिलेगा। रूस के इस कदम को अमेरिका के उस फैसले का जवाब माना जा रहा है, जिसमें अमेरिका ने रूस की सैकड़ों कंपनियों और व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया था।

पाकिस्तान सरकार ने नागरिकों पर सैन्य अदालतों में केस चलाने को दी मंजूरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान संघीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) में लिए गए फैसलों को मंजूरी दी है। इसमें फैसला किया गया है कि नौ मई को सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ करने वाले प्रदर्शनकारियों पर सेना राज अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री हाउस में प्रधान मंत्री शाहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में एनएससी और कोर कमांडरों के सम्मेलन के कुछ ही दिनों बाद सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई।

9 मई को अर्धसैनिक रेंजरों द्वारा पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के परिसर से गिरफ्तार किए जाने के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ की, इतना ही नहीं रावलपिंडी में जनरल मुख्यालय और लाहौर कोर कमांडर के आवास पर भी हमला किया।

रिपोर्ट के अनुसार, दंगे के बाद पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई, जो अब भी जारी है। एक प्रमुख कैबिनेट मंत्री ने नाम ना जाहिर करने की शर्त पर बताया कि कोई नई सैन्य अदालत स्थापित नहीं की जाएगी, यह कहते हुए कि अभियुक्तों को विशेष स्थायी अदालतों में पेश किया जाएगा, जो पहले से ही सैन्य अधिनियम के तहत काम कर रहे हैं। हालांकि, प्रसिद्ध वकील और सेना से संबंधित मामलों के विशेषज्ञ, कर्नल (सेवानिवृत्त) इनामुर रहीम ने कहा कि रक्षा मंत्रालय या सेनाध्यक्ष (सीओएएस) को विशेष स्थायी अदालतों की स्थापना या पुनरुद्धार के लिए औपचारिक रूप से एक अधिसूचना जारी करनी होगी।

यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमान देने के साथ उड़ाने का प्रशिक्षण भी देगा अमेरिका: एनएसए

- ब्रिटेन, नीदरलैंड, बेल्जियम व डेनमार्क ने वाशिंगटन के इस कदम का किया स्वागत

हिरोशिमा (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि वाशिंगटन यूक्रेन को एफ-16 सहित उन्नत लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने के साथ-साथ पायलटों को उन्हें उड़ाने का प्रशिक्षण देगा। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुलिवन ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दिन में जापानी शहर में ब्लॉक के शिखर सम्मेलन में इस कदम के बारे में अपने जी-7 समकक्षों को सूचित किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हमने और हमारे सहयोगियों और साझेदारों ने वास्तव में यूक्रेन को सिस्टम हथियार और प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमने जो वादा किया था, उसे पूरा किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब हम यूक्रेन की आत्मरक्षा के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में यूक्रेनी वायु सेना में सुधार के बारे में चर्चा की ओर मुड़ गए हैं। यूक्रेन ने रूस के खिलाफ अपनी लड़ाई में मदद करने के लिए जेट प्रदान करने को बार-बार अपने पश्चिमी सहयोगियों से गुहार लगाई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसका स्वागत किया है। फरवरी में बाइडेन ने यूक्रेन को उन्नत लड़ाकू विमान देने से इनकार किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शुक्रवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सुलिवन ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ने कीव को हथियार मुहैया कराया है। उन्होंने यूक्रेन को उन्नत लड़ाकू विमानों की आपूर्ति शुरू करने के फैसले का संकेत भी दिया। उन्होंने कहा कि अब हमने वह सब कुछ दिया, जो हमने कहा था कि हम देने जा रहे हैं। हमने जवाबी हमले के लिए यूक्रेन की पूरी मदद की। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे क्षण में पहुंच गए हैं, जहां यह समय आ गया है कि हम नजर डालें और कहें कि रूस की आक्रामकता से बचाव के लिए भविष्य की ताकत के हिस्से के रूप में यूक्रेन को क्या चाहिए।

वहीं ब्रिटेन, नीदरलैंड, बेल्जियम और डेनमार्क ने भी वाशिंगटन के इस कदम का स्वागत किया है। यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ट्वीट किया कि यूक्रेन को उसकी जरूरत की लड़ाकू वायु क्षमता प्राप्त करने के लिए यूके यूएसए और नीदरलैंड, बेल्जियम और डेनमार्क के साथ मिलकर काम करेगा। डेनमार्क ने यह भी घोषणा की है कि वह अब पायलटों के प्रशिक्षण का समर्थन करने में सक्षम होगा।

अरब के कुछ नेताओं ने कीव के खिलाफ रूस के आक्रमण पर आंखें मूंद ली हैं: जेलेंस्की

- सीरिया ने रूस के आक्रमण का समर्थन किया, जबकि अन्य ने मास्को से अच्छे संबंध बनाने की बात कही

लंदन (एजेंसी)। अरब लीग के 32वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जेद्दा गए यूक्रेनी राष्ट्रपति ब्लादिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि क्षेत्रीय ब्लॉक के कुछ नेताओं ने कीव के खिलाफ रूस के आक्रमण पर आंखें मूंद ली हैं। उक्रेइंस्का प्रावदा की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि ऐसे लोग हैं जो कैद और अवैध कब्जे के लिए आंखें मूंद लेते हैं, लेकिन रूसी प्रभाव कितना भी मजबूत क्यों न हो, स्वतंत्र रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भले ही शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में युद्ध के संबंध में अलग-अलग दृष्टिकोण रखने वाले लोग हों, कुछ इसे संघर्ष कहते हैं, वे अभी भी रूसी हमले से लोगों को बचाने के लिए एकजुट हो सकते हैं। अरब लीग के देशों में से केवल सीरिया ने खुले तौर पर रूस के आक्रमण का समर्थन किया है, जबकि अन्य ने मास्को के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि लीग के सभी राष्ट्र इसे हमारी मुख्य भावना और मुख्य कॉल को समझेंगे जो मैं यहां छोड़ना चाहता हूं।

उन्होंने कहा कि मेरे साथ यहां, मुस्तफा डेजेमीलेव, क्रीमियन तातार लोगों के नेता, यूक्रेन के स्वदेशी लोगों में से एक हैं। जिनका घर क्रीमिया में है, जो यूक्रेन में मुस्लिम संस्कृति का केंद्र है। जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि क्रीमिया रूस द्वारा कब्जा किया जाने वाला पहला यूक्रेनी क्षेत्र था। रूस के दमन से मुसलमान पीड़ित हैं। उन्होंने यूक्रेन के क्षेत्र में रूसियों द्वारा कब्जा किए गए लोगों की मुक्ति में सऊदी अरब की भूमिका के बारे में लीग को याद दिलाया और कहा कि उनका मानना है कि इस अनुभव का विस्तार किया जाना चाहिए। जेद्दाह पहुंचने पर जेलेंस्की का स्वागत सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन के नेता रविवार को सऊदी अरब से जी7 शिखर सम्मेलन के लिए जापान रवाना होंगे। अधिकारियों ने कहा कि वह शिखर सम्मेलन के नेताओं के सत्र में भाग लेंगे और जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक में भाग लेंगे।

कनाडा के जंगलों में 100 जगहों पर धधकी आग, 7 लाख 82 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि जली

- साढ़े 19 हजार लोगों को अलबर्टा में अपना घर खाली करने किया गया मजबूर

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के अलबर्टा प्रांत में जंगलों में करीब 100 जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। मीडिया ने यह जानकारी दी। मीडिया ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि 4 मई को पहले स्थानीय आपातकाल की घोषणा के बाद से 7 हजार 82 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि जल चुकी है। कनाडा और अमेरिका के हजारों अग्निशामक और सहायक कर्मचारी जंगल की आग बुझाने में मदद कर रहे हैं। शुक्रवार तक अलबर्टा में 93 जगहों पर आग लगी थी। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार तक 19 हजार 576 लोगों को अलबर्टा में अपना घर खाली करने के लिए मजबूर किया गया। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन कनाडा के एक मौसम विज्ञानी टेरी लैंग के अनुसार अलबर्टा में जंगल की आम तौर पर मई में आग लगती है। गर्म तापमान और शुष्क परिस्थितियां ज्वलनशीलता को बढ़ा देती हैं, लेकिन इस साल अल्बर्टा में रिकॉर्डतोड़ गर्मी और औसत से कम बारिश हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इससे पूरी स्थिति खराब हो गई। फरवरी के मध्य से मई के मध्य तक मध्य और उत्तरी अलबर्टा के अधिकांश हिस्सों में इस वर्ष 50 प्रतिशत कम वर्षा हुई, जबकि इसी अवधि में 90 दिनों के औसत की तुलना में, और कुछ हिस्सों में 75-100 प्रतिशत कम बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार औसत तापमान सामान्य से 3-6 डिग्री अधिक है। 1-15 मई के बीच अल्बर्टा में 158 बार गर्मी के रिकॉर्ड टूटे। यह चिंताजनक है। हमने इसी तरह की घटनाओं को देखा है, लेकिन इस साल की शुरुआत में नहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएसएफ ने अमृतसर में मार गिराए दो पाक ड्रोन, 2.6 किलो ड्रग्स जब्त

चंडीगढ़ । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अमृतसर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो ड्रोन को मार गिराया और 2.6 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया। बीएसएफ ने कहा कि 19 मई को रात करीब 8.55 बजे इलाके में तैनात बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के धारीवाल गांव में एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी। सैनिकों ने तुरंत फायरिंग करके ड्रोन को मार गिराया। सैनिकों ने खेतों से आंशिक रूप से टूटे हुई स्थिति में एक काले रंग का ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके) बरामद किया। एक अन्य घटना में शुक्रवार रात करीब 9.24 बजे बीएसएफ ने अमृतसर के रतन खुर्द गांव के पास एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी। जवानों ने फायरिंग करके ड्रोन को रोका। तलाशी के दौरान सैनिकों ने ड्रोन से जुड़े संदिग्ध 2.6 किलोग्राम नशीले पदार्थों के दो पैकेटयुक्त एक खेप के साथ ड्रोन (एक क्वाडकॉप्टर भी) बरामद किया।

द केरल स्टोरी बनी कमाई की मशीन, अब तक 177.72 करोड़ का आंकड़ा पार

मुंबई। पिछले 15 दिनों में सुदीप्तो सेन की निर्देशित द केरल स्टोरी रिकार्ड तोड़ कमाई करके 177.72 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। गौरतलब है कि शुरू से ही विवादों से घिरी इस फिल्म को टिकट विंडो पर ठीकठाक संख्या में दर्शक देखने आ रहे हैं। यही वजह है कि 15 से भी कम दिनों में फिल्म ने 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धी इडनानी स्टारर फिल्म द केरल स्टोरी की कमाई 200 करोड़ के बहुत करीब पहुंच गई है। धर्मांतरण और जबरन आतंकी संगठन में लड़कियों के शामिल होने की कहानी को दिखाती इस फिल्म ने 14 दिनों में 171.72 करोड़ का कलेक्शन कर लिया। वहीं, 15वें दिन फिल्म ने इससे थोड़ी सी ही ज्यादा कमाई की। रिपोर्ट्स के अनुसार, दूसरे शुक्रवार यानी कि 15वें दिन फिल्म ने छह करोड़ कमाए हैं। इस लिहाज से घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कारोबार 177.72 करोड़ पर आकर थमा है। द केरल स्टोरी इंडिया के साथ-साथ विदेश में भी पसंद की जा रही है। कुछ दिनों पहले ही फिल्म को अमेरिका के 37 देशों में रिलीज किया गया। जहां इंडिया में फिल्म का कलेक्शन 200 करोड़ के करीब पहुंच गया है, तो वहीं, वर्ल्डवाइड 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई फिल्म ने कर डाली है। गंभीर मुद्दे पर बनी यह फिल्म पीरियड ड्रामा पोन्नियिन सेल्वन 2 को कड़ी टक्कर देती दिख रही है। मणिरत्नम की निर्देशित इस फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन 10 से 11 दिनों में ही पार कर लिया था। जिस रफ्तार से द केरल स्टोरी की कमाई बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं कि कुछ ही दिनों में यह मूवी 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी।

सीबीआई कोर्ट ने दी लालू यादव का पासपोर्ट रिलीज करने की इजाजत

-लालू फिर हेल्थ चेकअप के लिए जाएंगे सिंगापुर

रांची । बिहार में रांची स्थित सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव से पासपोर्ट रिलीज करने की इजाजत दे दी है। इसके लिए लालू यादव ने अपने अधिवक्ता अनंत कुमार विज के जरिए अदालत में दरख्वास्त लगाई थी। आज सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने इस अर्जी पर सुनवाई के बाद लालू यादव का पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दे दिया है। लालू यादव को चारा घोटाला के चार मामलों में सजा मिली है। कुल मिलाकर लगभग ढाई साल जेल में गुजारने के बाद उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिली हुई है। जमानत की शर्त के मुताबिक उनका पासपोर्ट कोर्ट में जमा रखना है और कोर्ट की अनुमति से ही वह अपना पासपोर्ट ले सकते हैं और इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके पहले बीते सितंबर महीने में सिंगापुर में इलाज के लिए कोर्ट ने उनका पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दिया था। वहीं उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। बताया जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव को एक बार फिर हेल्थ चेकअप के लिए सिंगापुर जाना है।

पुलिस मेस के बाहर रखी 300 किलो की तोप चोरी, पंद्रह दिन बाद पता चला

चंडीगढ़ । पुलिस मेस के सामने रखी 300 किलो की तोप को चोरों ने गायब कर दिया, जबकि पंद्रह दिन बाद पुलिस के अधिकारियों की इस पर नजर पड़ी तो हड़कंप मच गया। दरअसल चंडीगढ़ के सेक्टर-1 में पंजाब सशस्त्र पुलिस बल की 82वीं बटालियन के जीओ मेस के बाहर रखी गई तीन फुट लंबी और 3 क्विंटल वजनी हेरिटेज तोप रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। बताया जा रहा है कि यह तोप करीब अपने स्थान पर 15 दिन पहले तक मौजूद थी, लेकिन अब यह वहां से गायब है। सूत्रों का कहना है कि करीब 15 दिन पहले तोप के गायब होने पर मेस प्रभारी सब इंस्पेक्टर (एसआई) देविंदर कुमार ने देखा कि तोप अपने निर्धारित स्थान से गायब थी। उन्होंने तुरंत 82 बटालियन के कमांडेंट बलविंदर सिंह को इस बारे में सूचित किया था। सिंह ने सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और एफआई दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक तोप साधारण पीतल की नहीं बनी थी। इसे बनाने में कुछ अन्य कीमती धातुओं का इस्तेमाल किया गया है। यह पंजाब पुलिस की सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक थी। करीब डेढ़ साल पहले इस तोप को 82वीं बटालियन के स्टोर रूम में शिफ्ट किया गया था। बाद में इसे सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया था। एक मी?डिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जिस क्षेत्र में तोप रखी गई थी वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था। इलाके में चौबीसों घंटे संतरी ड्यूटी पर पुलिस के पहरेदार तैनात हैं। लेकिन उनमें से किसी ने भी तोप के लापता होने पर ध्यान नहीं दिया। एफआईआर में कहा गया है कि चोरी 5 मई की रात या 6 मई की सुबह हुई होगी। संपर्क किए जाने पर पंजाब सशस्त्र पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर ने कहा कि मामले की जानकारी के लिए कृपया 82 बटालियन कमांडेंट बलविंदर सिंह से संपर्क करें। इस मामले में सेक्टर 3 पुलिस स्टेशन के एक पुलिसकर्मी ने कहा कि पंजाब सशस्त्र पुलिस परिसर के अंदर कोई सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसलिए अभी तक मामला दर्ज कराने के बावजूद चोरों के बारे में कोई सुराग नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार चोरी हुई तोप का वजन करीब 3 क्विंटल था। इसलिए यह असंभव है कि कोई एक व्यक्ति इसे ले गया हो। हमें कम से कम चार-पांच लोगों के शामिल होने का संदेह है। मामले में हमारी जांच जारी है।

भारतीय सेना ने लाचुंग व लाचेन घाटी में फंसे 500 पर्यटकों की बचाई जान

-सिक्किम में आए भूस्खलन में बुरी तरह फंस गए थे लोग

गंगटोक । भारतीय सेना ने शुक्रवार को उन 500 पर्यटकों को बचाया जो लाचुंग और लाचेन घाटी की यात्रा कर रहे थे, लेकिन रास्ते में भूस्खलन और सड़क ब्लॉक होने के कारण चुंगथांग में फंसे हुए थे। लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग में भारी मूसलाधार बारिश हुई। एसडीएम चुंगथांग के अनुरोध पर त्रिशक्ति कोर, भारतीय सेना के जवानों ने रेस्क्यू की और फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। 216 पुरुषों, 113 महिलाओं और 54 बच्चों सहित फंसे हुए पर्यटकों को तीन अलग-अलग सेना शिविरों में ले जाया गया और उन्हें गर्म भोजन और गर्म कपड़े उपलब्ध कराए गए। भारतीय सेना ने सिक्किम में मूसलाधार बारिश के कारण कुछ स्थानों पर भूस्खलन और सड़कें बाधित होने की वजह से फंसे 54 बच्चों समेत 500 पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। एक रक्षा अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षा अधिकारी ने बताया कि एसडीएम (उपमंडलीय मजिस्ट्रेट) चुंगथांग के अनुरोध पर भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने बचाव अभियान चलाया और फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। उन्होंने कहा कि फंसे हुए पर्यटकों में 216 पुरुष, 113 महिलाएं और 54 बच्चे शामिल थे और उन्हें तीन अलग-अलग सैन्य शिविरों में ले जाया गया है। उन्हें गर्म भोजन और गर्म कपड़े मुहैया कराए गए हैं। अधिकारी के मुताबिक सैनिकों ने पर्यटकों के ठहरने और रात में उनके आराम के लिए अपने बैरकों को खाली कर दिया। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए तीन चिकित्सकीय दलों का गठन किया गया है।

जी-20 सम्मेलन में चीन नहीं करेगा शिरकत, पाक की शह पर अलापा कश्मीर राग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी दिनों कश्मीर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में चीन शिरकत नहीं करेगा। उसने पाकिस्तान की शह पर फिर कश्मीर राग अलापा है। पाकिस्तान के साथ एक संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे को उठाने के कुछ दिनों बाद अब चीन ने कहा है कि वह अगले सप्ताह जम्मू और कश्मीर में होने वाले जी-20 पर्यटन कार्य समूह की बैठक में शामिल नहीं होगा। चीन के विदेश मंत्रालय के हवाले से आ रही खबरों के अनुसार कश्मीर एक विवादित क्षेत्र हैं, वहां होने वाली ऐसी बैठकें आयोजित करने का वह दृढ़ता से विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने एक सवाल के जवाब में बीजिंग में एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन विवादित क्षेत्र पर किसी भी तरह की जी20 बैठक आयोजित करने का दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा, हम ऐसी बैठकों में शामिल नहीं होंगे। गौरतलब है कि भारत 22 मई से 24 मई तक जम्मू और कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में तीसरी जी20 पर्यटन कार्य समूह की बैठक की मेजबानी करेगा। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने यह कहते हुए आपत्ति का विरोध किया है कि वह अपने क्षेत्र में बैठकें आयोजित करने के लिए स्वतंत्र है। चीन के साथ सामान्य संबंधों के लिए उसकी सीमा पर अमन-चैन जरूरी है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा था कि श्रीनगर में जी20 बैठक जम्मू-कश्मीर के लिए अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने का एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में होने वाले इस तरह के एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम से देश और दुनिया भर में एक सकारात्मक संदेश जाएगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में जी20 बैठक आयोजित करने के भारत के फैसले का भी विरोध किया है। वहीं भारत ने अपने पड़ोसी देश की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। शिखर सम्मेलन को छोड़ने का चीन का निर्णय स्पष्ट रूप से उसके करीबी सहयोगी पाकिस्तान की आपत्तियों से जुड़ा हुआ है और मार्च में अरुणाचल प्रदेश में आयोजित जी-20 बैठक में शामिल नहीं होने के बाद आया है। इस महीने की शुरुआत में, चीन और पाकिस्तान, दोनों करीबी सहयोगी, ने एक संयुक्त बयान में लंबे समय से चल रहे विवाद को उठाया और अपनी स्थिति को दोहराया कि कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौते के अनुसार ठीक से और शांतिपूर्वक हल किया जाना चाहिए। पाकिस्तान के बचाव में उतरते हुए चीन ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद इतिहास से छूटा हुआ है और किसी भी एकतरफा कार्रवाई से बचते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए।

संसद का नवनिर्मित भवन 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं को पूरा करेगा : ओम बिरला

नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के नवनिर्मित भवन को भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं व संवैधानिक मूल्यों को और अधिक समृद्ध करने वाला बताकर दावा किया है कि संसद के इस नए भवन में सदस्य (सांसद) देश व नागरिकों के प्रति अपने दायित्वों को और बेहतर निष्पादित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संसद का नवनिर्मित भवन 140 करोड़ से अधिक देशवासियों की आशाओं और अपेक्षाओं को भी पूरा करेगा। बिरला ने संसद के नवनिर्मित भवन को संकल्प से सिद्धि तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनने का दावा कर कहा, संसद का नवनिर्मित भवन 140 करोड़ से अधिक देशवासियों की आशाओं और अपेक्षाओं को पूरा करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के हमारे संकल्प को सिद्धी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी बनेगा। उन्होंने इस नए भवन में सांसदों द्वारा अपने दायित्वों के बेहतर निष्पादन का दावा करते हुए आगे कहा, संसद का नवनिर्मित भवन भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं व संवैधानिक मूल्यों को और अधिक समृद्ध करेगा।

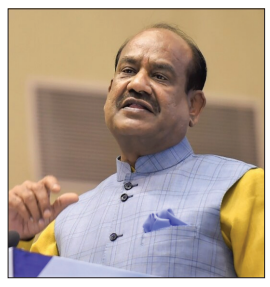

अमित शाह बोले- मोदी के पीएम बनने के बाद देश की सीमा और सुरक्षित हुई, सरकार ने सुरक्षा के लिए अनेक कदम उठाये

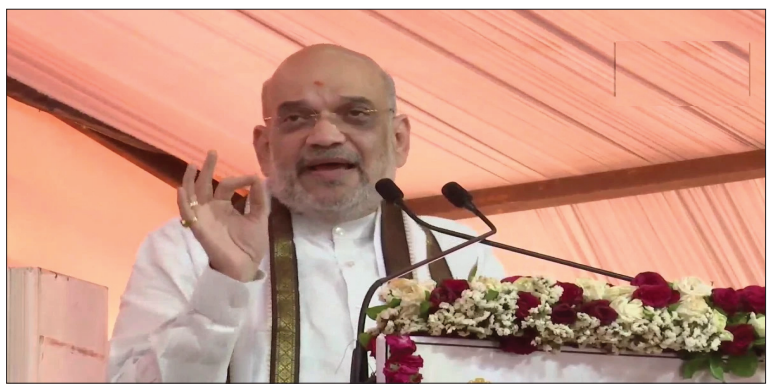

देवभूमि द्वारका (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देवभूमि द्वारका के ओखा में तटीय पुलिसिंग की राष्ट्रीय अकादमी के परिसर का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने बीएसएफ की विभिन्न योजनाओं का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा बॉर्डर पर बीएसएफ तैनात है इसलिए मैं दिल्ली में चैन की नींद सो पाता हूं। शाह ने ऑनलाइन माध्यम से पांच तटीय चौकियों का भी उद्घाटन किया, जो कच्छ जिले में मेडी और जखाऊ के बीच 164 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही 18 ऐसी चौकियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने 450 एकड़ से अधिक भूमि पर राष्ट्रीय तटीय पुलिस अकादमी की शुरुआत की है।

गृह मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हमारी सीमा और सुरक्षित हुई हैं और सीमा पर रहने वाले नागरिकों के साथ मध्य भाग में रहने वाले लोग भी अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले एक साल में 12 हजार करोड़ रूपये का ड्रग्स नहीं पकड़ा जाता था लेकिन अब भारतीय नौसेना और ह्यष्ट्रक्ने मिल कर 12 हजार करोड़ का ड्रग्स एक साथ केरल के तट से पकड़ा है। उन्होंने कहा कि जिस देश की सीमा ही सुरक्षित नहीं उस देश के मध्य भाग के विकास का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि सीमा के माध्यम से ही देश सुरक्षित रहता है, और मोदी जी ने सीमाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कदम उठाये हैं।

अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय तटीय पुलिस अकादमी में एक साथ 3000 लोगों के ट्रेनिंग की व्यवस्था है। तटीय सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाला यह महत्वपूर्ण काम मोदी जी की दूरदृष्टि और दृढ़ निश्चय के कारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भारत की 7516 कीमी. लंबी समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल के जवान, तट रक्षक बलों व राज्यों की पुलिस के लिए कोई specialized training की व्यवस्था नहीं थी। मोदी जी ने 2018 में राष्ट्रीय तटीय पुलिस अकादमी को मंजूरी दी और श्रीकृष्ण की नगरी के पास ओखा कि इस भूमि पर इसे स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भारतीय नौसेना, इंडियन कोस्ट गार्ड, समुद्री पुलिस, सीमाशुल्क बोर्ड और मछुआरों के साथ मिलकर सुरक्षा का एक सुदर्शन चक्र बनाया है जो देश की तटीय सुरक्षा को सुनिश्चित कर रहा हैं।

भाजपा हमारी पार्टी के प्रत्येक व्यक्ति व मेरे परिवार के पीछे पड़ी है: ममता बनर्जी

-बनर्जी ने बांकुड़ा में पार्टी की रैली को कोलकाता से वीडियो कांफ्रेंस से किया संबोधित

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करके उनकी पार्टी के लोगों और परिवार के सदस्यों को परेशान कर रही है। बनर्जी ने बांकुड़ा में पार्टी की एक रैली को कोलकाता से वीडियो कांफ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए यह बात कही।

ममता के भतीजे अभिषेक को ईडी ने किया शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में तलब

बनर्जी के इस बयान से पहले केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उनके भतीजे तथा तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में निजाम पैलेस स्थित अपने कार्यालय में शनिवार को तलब किया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कहा कि भाजपा हमारी पार्टी के प्रत्येक व्यक्ति तथा मेरे परिवार के पीछे पड़ी है, लेकिन हम उनसे डरते नहीं है। उन्होंने कहा कि अभिषेक को सीबीआई द्वारा समन भेजे जाने के पीछे भाजपा का हाथ है। बनर्जी ने कहा कि भाजपा हमारे अभियान की सफलता से भयभीत है। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा केन्द्र से बेदखल नहीं हो जाती, उसकी निरंकुशता के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

गौरतलब है कि बनर्जी को अंत समय में कोलकाता से वीडियो कांफ्रेंस के जरिये रैली को संबोधित करना पड़ा, क्योंकि अभिषेक बनर्जी को शनिवार को सीबीआई के समक्ष पेश होने के लिए कोलकाता के लिए निकलना पड़ा।

क्या अवैध महाराष्ट्र सरकार को वैध बनाने के लिए भी आएगा अध्यादेश? उद्धव सेना ने पूछा

-सभी कार्यक्रमों का आयोजन कर रही इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की अमेरिकी शाखा

मुंबई (एजेंसी)। शुक्रवार की देर रात केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण बनाने के लिए एक अध्यादेश जारी किया। इस फैसले के बाद दिल्ली में कार्यरत दानिक्स के सभी ग्रुप ए अधिकारियों और अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग की सिफारिश करने की शक्ति केंद्र के दायरे में आ गई। अध्यादेश जारी होने के तुरंत बाद, सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि हमें अध्यादेश की जांच करनी होगी। इसके गुण-दोषों में न जाकर स्पष्ट होता है कि यह एक दरिद्र, दुर्गुणहीन हारे हुए व्यक्ति की निशानी है।

अध्यादेश द्वारा संवैधानिक सिद्धांतों को किस हद तक कमजोर किया जा सकता है, इसकी जांच करनी होगी। क्या संसद पूरी तरह से इस अध्यादेश को मंजूरी देगी या नहीं, यह एक और पहलू है। शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने केंद्र सरकार को हिला कर रख दिया है। उन्होंने पूछा कि क्या महाराष्ट्र में अवैध राज्य सरकार को वैध बनाने के लिए एक अध्यादेश होगा? कांग्रेस के पूर्व नेता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी अध्यादेश को लेकर केंद्र पर जमकर निशाना साधा।

सीबीआई जांच जारी है, फिर क्यों आर्यन केस में वानखेडे को बचा रही भाजपा: नाना पटोले

-कांग्रेस ने गंभीर सवाल उठाते हुए बीजेपी व आरएसएस पर साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। आर्यन खान को नशीले पदार्थों के मामले में गलत तरीके से फंसाने के आरोप में फंसे एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेडे को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि वानखेड़े की सीबीआई जांच जारी है, ऐसे में राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मंत्री सुधीर मुनगंटीवार समेत बीजेपी के कई नेता वानखेडे का बचाव क्यों कर रहे हैं? वानखेडे का बीजेपी से क्या रिश्ता है? सरकारी नौकरी में रहते हुए भी समीर वानखेडे नागपुर स्थिति आरएसएस के मुख्यालय क्यों गया था? आरएसएस मुख्यालय में वह किससे मिला और किस लिए मिला? पटोले ने कहा कि इस सब सवालों का जवाब जनता को मिलना चाहिए।

पटोले ने यह सब बातें राज्य की कानून और व्यवस्था को लेकर राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय सक्सेना को ज्ञापन सौंपने के बाद कहीं। ज्ञापन सौंपने वालों में उनके साथ राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के कार्याध्यक्ष नसीम खान भी थे।

पटोले ने कहा कि हमने अपने ज्ञापन में कहा है कि महाराष्ट्र में पिछले कुछ महीनों से कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश कुछ लोग कर रहे हैं। संभाजी नगर, अमरावती, अकोला, शेगांव, अहमदनगर व त्र्यंबकेश्वर में जानबूझकर स्थिति सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश की गई। कुछ लोग भड़काऊ भाषण देकर माहौल को बिगाड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन महाराष्ट्र पुलिस ऐसा नहीं कर रही। महाराष्ट्र पुलिस पर आखिरकार किसका दबाव है?

कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में राज्य से बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया है। राज्य भर में औसतन रोज 70 महिलाएं एवं लड़कियां गायब हो रही हैं। इस साल जनवरी से मार्च तक राज्य में 5 हजार 510 महिलाओं व लड़कियों के गायब होने की खबर है। दूसरी तरफ सरकार केरल स्टोरी फिल्म देखने में व्यस्त है। कांग्रेस ने ज्ञापन में मांग की है कि महिलाओं व लड़कियों के गायब होने के मामलों की जांच प्राथमिकता के आधार पर की जाए और महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

एससी/एसटी एक्ट में अभद्र भाषा कह देना मुकदमे के लिए काफी नहीं

-सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चार्जशीट में मुकदमा चलाने ने पहले उन शब्दों का उल्लेख जरुरी जो बोले गए हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 (एससी/एसटी एक्ट) के प्रविधानों के तहत किसी व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा चलाने से पहले चार्जशीट में कम से कम उन शब्दों का उल्लेख वांछनीय है, जो आरोपित ने लोगों के समक्ष कहे हों। इससे अदालतें अपराध का संज्ञान लेने से पहले यह पता लगाने में सक्षम होंगी कि चार्जशीट में एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला बनता है अथवा नहीं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था जिसमें एक व्यक्ति के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट की धारा-तीन (एक) (10) के तहत चार्जशीट दाखिल किया गया था। यह धारा एससी या एसटी के किसी सदस्य को शर्मिंदा करने के उद्देश्य से सार्वजनिक रूप से देखे जाने वाले स्थान पर जानबूझकर अपमान करने या धमकी देने से संबंधित है। जस्टिस रविन्द्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि विधायिका का उद्देश्य स्पष्ट प्रतीत होता है कि शर्मिंदा करने के लिए हर अपमान या धमकी एससी-एसटी एक्ट की धारा-तीन (एक) (10) के तहत अपराध नहीं होगा, जब तक कि ऐसा सिर्फ पीड़ित के एससी या एसटी होने की वजह से न किया जाए।

भाजपा की डबल इंजन सरकारें जनता को सिर्फ झूठे आश्वासन दे रही हैं: अखिलेश यादव

- यादव ने कहा, जनता अब समझ चुकी है और वह भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा जब से सत्ता में आई है तब से लोगों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। समाज का हर वर्ग परेशान है। किसान और गरीब सभी महंगाई की मार झेल रहे हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने जारी बयान में कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकारें जनता को सिर्फ झूठे आश्वासन दे रही हैं। जनता अब समझ चुकी है और वह भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं है। परेशान जनता अब बस चंद महीनों के बाद ही होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का इंतजाम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही चुनाव समाप्त हुए खाद्य सामग्री लोगों की पहुंच से बाहर होने लगी है। अरहर की दाल 30 रुपए महंगी हो गई। बेसन, चीनी, रसोई गैस के भी दाम बढ़ गए। किसान को फसल की लागत भी नहीं मिल रही है जबकि खाद, बीज, कीटनाशक आदि के दाम बढ़ रहे हैं। अब लोग क्या करें? कैसे अपनी जिंदगी चलाएं?

अखिलेश यादव ने कहा कि किसान की तो बहुत ही दुर्दशा है। खेती-किसानी अब मुनाफे का धंधा नहीं रह गई है। किसाने हमेशा घाटे में रहते हैं। भाजपा सरकार एमएसपी का बहाना क्यों करती है? जबकि किसानों को उसकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कभी नहीं मिला है। गेहूं, धान के क्रय केंद्रों पर किसान की फसल की खरीद में तमाम अड़चने लगाई जाती हैं। घटतौली, समय से भुगतान न होने की शिकायतें आम हैं। क्रय केंद्रों की अव्यवस्था के चलते निराश किसान अपनी फसल को बिचौलियों के हाथ औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हो जाता है। भाजपा सरकार द्वारा इस बार लक्ष्य से भी कम गेहूं की खरीद की गई है। किसान को अनावृष्टि, ओले से क्षति की मार भी झेलनी पड़ती है। खेत, खलिहानों में अग्निकांड की भी घटनाएं होती हैं। किसान की इस तबाही में राहत के नाम पर भाजपा सरकार सिर्फ फरेब करती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com